तापमान

अधिकतम 35.6 डिग्री

न्यूनतम 28.5 डिग्री

हरिभूमि

बिलासपुर भूमि

बिलासपुर, बुधवार 15 जुलाई 2026

बिल्हा | मस्तूरी | तखतपुर | मुंगेली | कोटा | लोरमी | सरगांव | पेंड्रा | बेलतरा | रतनपुर | पथरिया

अशोकनगर अटल आवास के सामने किया जा रहा नाली निर्माण।

हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
मास्टर कूपन
15 जुलाई 2026
कूपन नं.
3

खबर संक्षेप

बिल अपडेट नहीं, पेनाल्टी पटाने की मजबूरी

बिलासपुर। बिजली बिल का भुगतान उपभोक्ताओं के लिए सिर दर्द बन रहा है। एटीपी मशीन के बाहर लाइन लगने से बचने के लिए उपभोक्ताओं के द्वारा ऑनलाइन भुगतान करना आसान है लेकिन बिलिंग की राशि अपडेट नहीं होने के कारण भुगतान करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली विभाग द्वारा उपभोक्ताओं के लिए नई मुसीबत दे दी गई है। अंतिम तारीख तक बिजली बिल की राशि ऑनलाइन अपडेट नहीं हो रही है। ऐसे में उपभोक्ताओं को जबरिया पेनाल्टी पटाने की मजबूर आ पड़ी है। बताया जा रहा है कि तकनीकी दिक्कतों के कारण ऑनलाइन राशि अपडेट नहीं हो रही है।

सहकारी समिति की मतदाता सूची पर दावा आपत्ति 21 तक

बिलासपुर। न्यू विजया रिजेंसी आवासीय सहकारी समिति मर्या. विजयापुरम बिलासपुर की मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। सूची के संबंध में दावा आपत्ति 21 जुलाई 2026 तक सप्रमाण सोसाइटी कार्यालय में या कार्यालय उपायुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक बिलासपुर में प्रस्तुत किये जा सकते है। 22 जुलाई 2026 को दोपहर 11 बजे दावों एवं आपत्तियों का निराकारण किया जाएगा।

मालगाड़ी डिरलमेंट की जांच करने बनाई टीम

बिलासपुर। रेल मंडल बिलासपुर में दो अलग-अलग घटनाओं में हुए मालगाड़ी के डिरलमेंट की जांच करने के लिए डिवीजन स्तर पर अधिकारियों की टीम का गठन किया गया है, जो मामले की जांच के बाद रिपोर्ट अफसरों को सौंपेगी। 11 जुलाई को बिलासपुर रेल मंडल के चुचुहियापारा रेल क्रासिंग के पास यार्ड में बिलासपुर से चांपा की ओर जा रही खाली मालगाड़ी का वैगन बेपटरी हो गया था। मीडिल लाइन पर वैगन के उतरने से यातायात प्रभावित हुआ। दूसरी घटना कोटा करगीरोड में 13 जुलाई को हुई, जहां अनूपपुर से बिलासपुर आ रही मालगाड़ी के तीन वैगन पटरी से उतरे थे। रेल मंडल ने जांच करने टीम गठित कर दी है। जांच एडीईएन सेन्ट्रल, डीएमई, एडीईई ओपी, एओएम जनरल और एडीएसओ बिलासपुर, कोटा करगीरोड के घटना की जांच में एडीईएन सेन्ट्रल, एएससी 1, एडीएसओ होंगे।

प्रभारी प्राचार्यों के भरोसे चल रहे बिलासपुर संभाग के 55 गवर्नमेंट कालेज

प्राध्यापक संभाल रहे गवर्नमेंट कालेजों में प्राचार्यों की कुर्सी, रिटायर होने वाले प्राचार्यों की लाइन लगी

अंजनी तिवारी ⏭ बिलासपुर

अलग खबर

एक तरफ उच्च शिक्षा में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति एनईपी लागू हुए दो सत्र हो गए हैं, वहीं दूसरी तरफ नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी कालेजों के जिन प्राचार्यों के ऊपर हैं, उन्हीं की कमी बनी हुई है। गवर्नमेंट कालेजों की हालत ऐसी है कि बिलासपुर संभाग के 55 कालेज प्रभारी प्राचार्य के भरोसे चल रहे हैं। इन कालेजों में पूर्णकालिक प्राचार्य ही नहीं है, जिससे प्राध्यापक प्राचार्य की कुर्सी भी संभाल रहे हैं, जिससे कालेजों में अध्ययन-अध्यापन का कार्य प्रभावित हो रहा है।

गवर्नमेंट कालेजों में पूर्णकालिक प्राचार्यो की पहले से कमी बनी है, उस पर लगातार प्राचार्य रिटायर होते जा रहे हैं रिटायरमेंट होने वाले प्राचार्यों की लाइन लगी हुई है। यहीं हालत रही तो आने वाले दिनों में प्राचार्य के और भी कुर्सी खाली हो जाएगी। बिलासपुर संभाग अंतर्गत बिलासपुर सहित कोरबा, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, सक्ती, मुंगेली व गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिलों के कालेज आते हैं, जिनमें प्राचार्यों की कमी बनी हुई है। बिलासपुर संभाग के 55 गवर्नमेंट ऐसे हैं जहां प्रभारी प्राचार्य कालेज चला रहे हैं। इन कालेजों में पूर्णकालिक प्राचार्य काफी समय से नहीं है या फिर जो प्राचार्य पदस्थ थे, वे रिटायर हो गए हैं। इसलिए इन कालेजों में प्राध्यापक प्राचार्य की कुर्सी संभाल रहे हैं। प्रभारी प्राचार्यों को आहरण, संवितरण का अधिकार तो मिल जाता है, किन्तु दोहरा जिम्मेदारी के कारण उनका अपना स्वयं कार्य प्रभावित होता है। पूर्णकालिक प्राचार्य कालेज में पूरी तरह प्राचार्य पद के दायित्वों का वहन करते हैं और कालेज की शिक्षा एवं अन्य व्यवस्था की पूरी मानिटरिंग करते हैं, जबकि प्राध्यापक को प्रभार मिलने पर उन्हें प्राचार्य के दायित्वों को तो निभाना पड़ता ही है। इसके अलावा उन्हें अपने विषय की क्लास भी लेनी पड़ती है। इस तरह प्राध्यापक के ऊपर दोहरा प्रभार होने से कालेज में अध्ययन-अध्यापन का कार्य प्रभावित होता है।

इन कालेजों में पूर्णकालिक प्राचार्य नहीं

बिलासपुर जिले के ही बात करें तो पिछले जून माह में ही गवर्नमेंट आत्मानंद इंग्लिश मीडियम कालेज के प्राचार्य प्रो. यूके श्रीवास्तव व गवर्नमेंट साइंस कालेज के प्राचार्य डॉ. डीपी साहू रिटायर हुए हैं। इसके बाद जुलाई माह में गवर्नमेंट जेपी वर्मा जरहाभाठा कालेज के प्राचार्य डॉ. एसएल निराला रिटायर हो रहे हैं, उनके बाद सीपत गवर्नमेंट कालेज के प्राचार्य डॉ. खेर रिटायर होने वाले हैं। इसके अलावा गवर्नमेंट संगीत कालेज बिलासपुर, गवर्नमेंट कालेज मस्तूरी, गवर्नमेंट कालेज पचपेढ़ी, गवर्नमेंट कालेज रतनपुर में पहले से प्राचार्य का पद खाली पड़ा है और वहां प्रभारी प्राचार्य कालेज चला रहे हैं।

85 में से केवल 30 कालेजों में प्राचार्य

बिलासपुर संभाग अंतर्गत 85 गवर्नमेंट कालेज है। इनमें से 55 कालेजों में प्राचार्य नहीं है, जबकि केवल 30 गवर्नमेंट कालेजों में प्राचार्य हैं। इनमें बिलासपुर जिले के 17 कालेजों में से 11 कार्यरत व 6 में नहीं है। मुंगेली जिले के 11 में से 6 में कार्यरत और 5 रिक्त तथा जीपीएम के 4 कालेजों में से किसी में प्राचार्य नहीं है। जांजगीर-चांपा के 11 कालेजों में से 6 में कार्यरत व 5 रिक्त है। इसी तरह सक्ती जिला के 8 कालेजों में एक में कार्यरत और 7 रिक्त है तथा रायगढ़ जिले के 6 कालेजों में से एक में कार्यरत और 5 खाली है। कोरबा जिले के 15 कालेजों में 2 में कार्यरत व 13 कालेजों में प्राचार्य नहीं हैं।

प्राध्यापकों को प्रमोशन का इंतजार

उच्च शिक्षा विभाग में वरिष्ठ प्राध्यापकों का प्राचार्य पद पर प्रमोशन होना है। पिछले दो साल से प्राध्यापकों का प्रमोशन नहीं हो पाया है इसलिए वरिष्ठ प्राध्यापकों को भी प्रमोशन का इंतजार है। प्राध्यापकों से प्राचार्य के पद पर प्रमोशन के बाद ही अतिरिक्त प्रभार की जिम्मेदारी से छुटकारा मिल पाएगा। वर्ष 2024 में उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के 131 वरिष्ठ प्राध्यापकों को प्रमोशन देकर गवर्नमेंट कालेजों में प्राचार्य बनाया था। लेकिन जिन 131 प्राध्यापकों को प्राचार्य पद पर प्रमोशन दिया गया था, उनमें से करीब आधा प्राध्यापक सालभर के भीतर रिटायर होने वाले थे। इससे जिन कालेजों में उनकी पोस्टिंग की गई है वे कालेज फिर से प्राचार्यविहीन हो गए।

करोड़ों की मशीनरी कबाड़ में बेच दी, हजारों लोगों के रोजगार के अवसर समाप्त हो चुके

उद्योग के लिए 84 एकड़ जमीन लेकर नींबू घास की खेती, 14 साल से बंद है पेपर मिल

विकास चौबे ⏭ बिलासपुर

खास खबर

फैक्ट्री की खाली जमीन पर नींबू की खेती के लिए बीज डाले गए है।

ढेंका स्थित पेपर मिल पिछले 14 वर्षों से से अधिक समय से बंद पड़ी है। इस उद्योगों के लिए 83.87 एकड़ से भूमि किसानों से इस आश्वासन के साथ प्राप्त की गई थी कि क्षेत्र में उद्योग स्थापित होंगे, स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और विकास को गति मिलेगी। हाल यह है कि मिल बंद हैं। हजारों लोगों के रोजगार के अवसर समाप्त हो चुके हैं और विशाल भूमि वर्षों से अनुपयोगी पड़ी है। यही नहीं इन उद्योंगों में लगाईं गईं लाखों की मशीनरी बेच दी गई हैं और मालिक जाकर कोलकाता में बैठ गए हैं। यहीं नहीं उद्योग के लिए ली गई इस जमीनों पर अब नींबू और घास की खेती की जा रही है। स्थानीय लोगों और किसानों का आरोप है कि कंपनी ने कई एकड़ से अधिक सरकारी जमीन पर कब्जा भी किया हुआ है।

गौरतलब है कि 1981 में ढेंका की पेपर मिल की नींव रखी गई। 1983-84 में इसका उत्पादन शुरू हुआ। अलग-अलग प्रबंधन के तहत यह फैक्ट्री 2012 तक चलती रही लेकिन बाद में इसे बंद कर दिया गया। पिछले 14 वर्षों से लालखदान की मिल वीरान पड़ी है, जबकि ढेंका की पेपर मिल में करोड़ों की मशीनें स्क्रैप में बेची जा चुकी हैं।यहां के लोगों के मुताबिक जब पेपर मिल स्थापित हो रहा था तो आसपास के 25 गावों के किसानों की जमीन ली गई। इसके बदले लोगों को मुआवजा भी दिया गया। साथ ही आश्वासन दिया गया कि लोगों के साथ ही उनके बच्चों को भी रोजगार मिलेगा।

कंपनी पर कई एकड़ सरकारी जमीन पर कब्जे का भी आरोप, ग्रामीणों ने कलेक्टर से की शिकायत

उचित निर्णय लिया जाए

यदि संबंधित उद्योग निर्धारित शर्तों का पालन करने में विफल पाए जाते हैं तो नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए भूमि के संबंध में उचित निर्णय लिया जाए, ताकि क्षेत्र के विकास एवं रोजगार के अवसरों को पुनर्जीवित किया जा सके।

- मनीष घोरे, सरपंच, ग्राम ढेका

रिपोर्ट तैयार करने कहा गया

उक्त उद्योग को आवंटित भूमि, आवंटन की शर्तों, रोजगार संबंधी वादों तथा वर्तमान स्थिति की जानकारी ली जा रही है।सीएसआईडीसी के अधिकारियों को भी रिपोर्ट तैयार करने कहा गया है।

- संजय अग्रवाल, कलेक्टर

हजारों नौकरियां खत्म हो चुकी

यहां के पूर्व कर्मचारी रहे यशवंत सिंह के मुताबिक कई बार कंपनी के मैनेजर और मालिकों से बात की गई लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। उद्योग के लिए जमीन लेने के बाद कुछ सालों तक तो सब कुछ ठीक चला। स्थानीय निवासियों को रोजगार भी दिए गए लेकिन अब सभी लोग बेरोजगार हैं।किसानों की जमीन भी वापस नहीं की जा रही है। लखीराम सूर्यवंशी और नरोत्तम सिंह के मुताबिक इन दोनों उद्योगों के लिए किसानों ने अपनी जमीन दी थी। बदले में रोजगार और विकास का भरोसा मिला, लेकिन आज दोनों मिलें बंद हैं, हजारों नौकरियां खत्म हो चुकी हैं और नई पीढ़ी रोजगार की तलाश में दूसरे शहरों का रुख कर रही है।

उद्योग की जमीन पर खेती, सवाल उठे

स्थानीय लोगों का आरोप है कि उद्योग के लिए आवंटित जमीन के कुछ हिस्सों में अब खेती की जा रही है। हरिभूमि की टीम जब मौके पर पहुंची तो पाया कि पेपर मिल कबाड़ हो चुका है। खंडहर बनी इस फैक्ट्री में सभी सामान बेचे जा चुके हैं और हर तरफ वीरानी छाई हुई है। सुरक्षा के लिए दो गार्ड जरूर मौके पर मिले। इन्होंने कुछ भी जानकारी से इंकार कर दिया। फैक्ट्री भवन के बगल में खाली पड़ी जमीन पर नींबू के बीज डाले गए थे। दूसरी तरफ घास की खेती भी की जा रही है। वहां मौजूद कंपनी के कर्मचारियों ने इसके बारे में कुछ नहीं बताया। कंपनी के मैनेजर अजय दास के मुताबिक उद्योग और रोजगार के संबंध में मैनेजमेंट स्तर पर चर्चा चल रही है।

शिकायत : रजिस्ट्री दफ्तर के कंप्यूटर ऑपरेटरों का तबादला

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

- आऊट सोर्सिंग के आधार पर कंपनी से की गई थी भर्ती
- बारह ऑपरेटर इधर से उधर

आऊट सोर्सिंग आधार पर निजी कंपनी के माध्यम से रजिस्ट्री कार्यालयों में काम कर रहे कंप्यूटर ऑपरेटरों को स्थानांतरित किया गया है। स्थानांतरित किए गए बारह कंप्यूटर ऑपरेटरों में से छह बिलासपुर उप पंजीयक कार्यालय में ही पदस्थ थे। इन सभी के खिलाफ लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद टॉपग्रेड मेनपावर एंड सिक्योरिटी सर्विस इंडिया कंपनी के अंतर्गत आऊट सोर्सिंग आधार पर जिले के सभी रजिस्ट्री कार्यालयों में काम कर रहे सभी को इधर उधर किया गया है।

सुधार किया जाएगा

सारे कंप्यूटर ऑपरेटर आऊट सोर्सिंग आधार पर विभाग में काम कर रहे थे। कई विगत लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ है, जिनमें कई की शिकायतें भी मिलती रहीं हैं। कंपनी द्वारा कार्यप्रणाली में सुधार के उद्देश्य से बारह कंप्यूटर ऑपरेटरों को स्थानांतरित किया गया है।

- आरके स्वर्णकार
जिला पंजीयक रजिस्ट्री विभाग

इनका हुआ ट्रांसफर

जिन बारह कंप्यूटर ऑपरेटरों का ट्रांसफर किया गया है, उनमें श्रीकांत यादव व आरिफ मोहम्मद को उप पंजीयक कार्यालय बिलासपुर से बिल्हा। तुषार विश्वकर्मा व नवल किशोर तिवारी को बिलासपुर से मस्तूरी। विकास कुमार पटेल व देवेन्द्र कुमार मनहर को बिलासपुर से उप तखतपुर। सुबीर कुमार विश्वास व विवेक कुमार ध्रुव को बिल्हा से बिलासपुर। ध्रुव गोपाल मिश्रा व युगल किशोर ठाकुर को मस्तुरी से बिलासपुर एवं हीरा लाल प्रजापति व लवकेश कुमार साहू को तखतपुर से बिलासपुर स्थानांतरित किया गया है।

दिन भर उमस और गर्मी,शाम को बारिश, बिजली ने फिर रूलाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

बारिश का इंतजार में थक चुके लोगों को मंगलवार की शाम थोडी राहत मिली, जब दिन भर की उमस और गर्मी के बाद शाम 6 बजे के आसपास हल्की बारिश शुरू हो गई। इससे पहले शाम 4 बजे से ही 40 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चलती रही, इस दौरान एक बार फिर पूरे शहर की बिजली ठप हो गई।

मंगलवार को अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री जा पहुंचा, सुबह से आसमान पर बदली छाई रही लेकिन उमस से लोगों को बेहाल कर दिया। लेकिन शाम 4 बजे के बाद काले घने बादलों ने एक बार फिर मौसम खुशनुमा कर दिया और अगले 2 घंटे के भीतर ही बारिश शुरू हो गई। गर्मी व उमस से बेहाल लोगों के लिए राहत की बारिश होने से तपीश में कमी आई, बारिश का दौरा रात तक चलता रहा, इस दौरान हल्की बारिश होती रही है।

मौसम विभाग ने बिलासपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में हल्की व मध्यम बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती हवाओं का घेरा बन चुका है। जिसके चलते निम्न दाब का असर देखा जा रहा है। अगले 24 घंटें में अच्छी बारिश के आसार बन चुके है।

थाना प्रभारी के कहने पर विवेचक ने की थी कार्रवाई, रोजनामचे में भी दर्ज

डीजल चोरी के 3 आरोपियों को थाने से छोड़ा, एएसआई निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

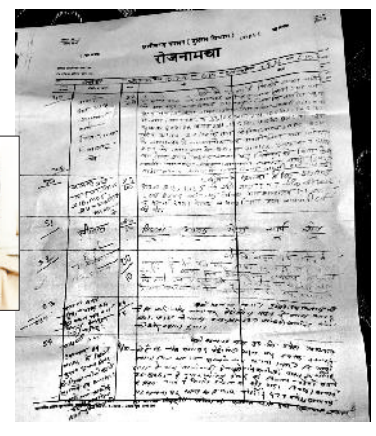

थाना प्रभारी के आदेश पर कोनी थाना से डीजल चोरी के मामले में पकड़े गए तीन आरोपियों को बिना कार्रवाई के छोड़ दिया गया है। आदेश को बकायदा थाने के रोजनामचा में दर्ज किया गया है। किन्तु कार्रवाई करते हुए विवेचक एएसआई को निलंबित कर दिया गया है। जबकि आरोपियों को छोड़ने के दौरान एएसआई थाने में उपस्थित ही नहीं था।

11 जुलाई को गतौरी बाबी ढाबा के पास से एक ट्रेलर से 150 लीटर डीजल चोरी हो गई थी। ट्रक मालिक की शिकायत पर कोनी थाना के एएसआई उमेश उपाध्याय स्टाप के साथ चोरों के पतासाजी में जुटे हुए थे। 12 जुलाई को एएसआई श्री उपाध्याय स्टाप के साथ कोनी बरपाली निवासी भानु प्रसाद लोनिया 37 साल, अनूपपुर सीलपुर निवासी शिवप्रसाद उर्फ छोटू लोनिया 32 साल व तीन अन्य को पकड़कर स्कार्पियों जब्त कर थाने लेकर आए। पांचों को हथकड़ी पहनाकर रखा गया था। रात में थाना प्रभारी के आदेश पर थाने से बिना कार्रवाई के तीन लोगों को छोड़ दिया गया। मुंशी मददगार के द्वारा थाना प्रभारी के आदेश पर तीन लोगों को छोड़ने का रोजनामचा में इंद्राज किया गया है। 13 जुलाई को 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया गया। उसके बाद तीन आरोपियों को थाने से छोड़ने की चर्चा गर्म हो गई। उच्च अधिकारियों के द्वारा थाने में सीसीटीवी फुटेज देखने पर लाकअप में 5 आरोपियों के बैठने की पुष्टि हुई। मजेदारबात यह है कि थाना प्रभारी के आदेश पर तीनों आरोपियों को छोड़ा गया। किन्तु विवेचक एएसआई उपाध्याय को निलंबित कर दिया गया है। जबकि थाने से आरोपियों को छोड़ा गया वे फर्जी सर्पदंश मामले की समीक्षा बैठक में थे। 14 जुलाई को एएसआई श्री उपाध्याय सीएसपी से मिलकर रोजनामचा सहित अपना बेगुनाह होने की शिकायत की है।

आरोपियों को छोड़ने पर हुई कार्रवाई

डीजल चोरी के मामले में 5 आरोपियों को थाने लाया गया था। सही तरीके से कार्रवाई नहीं कर तीन आरोपियों को छोड़ने पर एएसआई उपाध्याय को निलंबित किया गया है।

- विवेक पाण्डेय कोनी टीआई

जांच में होगा खुलासा

तीन आरोपियों को बिना कार्रवाई के छोड़ने पर एसएसपी ने एएसआई उपाध्याय को निलंबित किया है। थाना प्रभारी के आदेश पर आरोपियों को छोड़ने की जानकारी मिली है। जांच के बाद यह स्पष्ट हो पाएगा आरोपियों को किसने छोड़ा है।

- गगन कुमार प्रशिक्षु आईपीएस सीएसपी

ग्लोबल प्रा. आई.टी.आई
ITI AKALTARA
Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T.
New Delhi (Govt. of India)
भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग
छात्र-छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट
REGISTRATION OPEN
• ELECTRICIAN 2 Year (10th Pass)
• C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)
• FITTER* 2 Year (10th Pass)
मनका दाई मंदिर के पीछे, वार्ड नं. 3,
बलोदा रोड, अकलतरा , (जांजगीर-चांपा)
89595-93946 • 89595-44444

जीवेत शरदः शतम्
डॉ. रजनीश पाण्डेय जी
प्रदेश सहसंयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ
भारतीय जनता पार्टी (छ.ग.)
को जन्मदिन की
हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं...
डॉ. जे.पी. शर्मा
डॉ. राघवेन्द्र सिंग
डॉ. विमल चौपड़ा
डॉ. देवेंद्र कश्यप
डॉ. सुदेश वर्मा
डॉ. अनुज कुमार
डॉ. योगेन्द्र परिहार
डॉ. एस.के. धर
जिला चिकित्सा प्रकोष्ठ भारतीय जनता पार्टी, बिलासपुर (छ.ग.)

हरिभूमि
बिलासपुर, बुधवार 15 जुलाई 2026
लाइव
Email id- haribhoomibsp@gmail.com
Whats App - 6263190692, 8305922255

धर्म-क्षेत्र

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि आज से होगी प्रारंभ

बिलासपुर। सरकंडा स्थित सुभाष चौक के पास श्री पीतांबरा पीठ त्रिदेव मंदिर में आषाढ़ गुप्त नवरात्रि का महापर्व भव्यता के साथ प्रारंभ होगा । पीतांबरा पीठाधीश्वर आचार्य डॉ दिनेश महाराज के सानिध्य में प्रथम दिवस पर माँ ब्रह्मशक्ति बगलामुखी देवी का प्रथम महाविद्या माँ काली के स्वरूप में विशेष पूजन-अर्चन किया जाएगा। साथ ही महायज्ञ के प्रथम दिन अभिजीत मुहूर्त में घटस्थापना, अखंड ज्योति प्रज्वलन, ध्वजारोपण एवं ज्वारोपण की वैदिक विधियां संपन्न हुईं। गुप्त नवरात्रि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पीठाधीश्वर आचार्य डॉ दिनेश महाराज ने कहा सनातन संस्कृति में 'शक्ति' के बिना 'शिव' भी अपूर्ण हैं। जीवन में जब बाहरी परिस्थितियाँ प्रतिकूल हों और आंतरिक बल क्षीण होने लगे, तब आदिशक्ति की शरण ही एकमात्र मार्ग है। गुप्त नवरात्रि बाहरी प्रदर्शन की नहीं, बल्कि अंतर्मुखी होकर अपनी सोई हुई आत्म-शक्ति को जगाने का महापर्व है। जब साधक पूर्ण गोपनीयता और सात्विकता के साथ आदिशक्ति की आराधना करता है, तो ब्रह्मांड की प्रचंड दैवीय ऊर्जा उसके भीतर प्रवाहित होने लगती है, जिससे बड़े से बड़ा संकट भी तिनके की तरह उड़ जाता है। शत्रु व बाधा नाशः जीवन के सभी दृश्य-अदृश्य शत्रुओं का शमन होता है और हर कार्य की बाधा दूर होती है। भय व अकाल मृत्यु से सुरक्षाः 'काल' की स्वामिनी होने के कारण माँ काली साधक को अकाल मृत्यु के भय और आकस्मिक संकटों से बचाती हैं। नकारात्मकता का अंतः जीवन से तंत्र-बाधा, बुरी नजर, मानसिक तनाव और अवसाद का नाश होता है। प्रचंड आत्मविश्वासः साधक के भीतर की हीनभावना समाप्त होती है और विपरीत परिस्थितियों से लड़ने का साहस मिलता है। 16 हजार 800 आहुतियों के साथ महायज्ञ प्रारंभ पीतांबरा पीठ में हवनात्मक महायज्ञ के प्रथम दिन 16,800 आहुतियां प्रदान की गईं। मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कला क्षेत्र

स्पिकमैके की सांस्कृतिक यात्रा से रूबरू होंगे छात्र

बिलासपुर। भारतीय शास्त्रीय संगीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और युवा पीढ़ी तक उसके प्रसार के उद्देश्य से स्पिकमैके द्वारा 20 जुलाई तक छत्तीसगढ़ के विभिन्न विद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में सत्रीय नृत्य पर आधारित श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है। इस सांस्कृतिक यात्रा के माध्यम से विद्यार्थियों को भारत की प्राचीन कला परंपराओं से सीधे जुड़ने तथा कलाकारों के साथ संवाद करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम की मुख्य प्रस्तुति शास्त्री नृत्य की होगी, जिसे भारत के आठ मान्यता प्राप्त शास्त्रीय नृत्यों में स्थान प्राप्त है। असम की वैष्णव सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ा यह नृत्य अपनी आध्यात्मिक अभिव्यक्ति, उत्कृष्ट नृत्य-व्याकरण तथा भावप्रधान प्रस्तुति के लिए विश्वभर में प्रतिष्ठित है। बिलासपुर में अरपा वैली इंटरनेशनल स्कूल,आधाशिला स्कूल में इस सांस्कृतिक अभियान का नेतृत्व देश की सुप्रसिद्ध सत्रीय नृत्यांगना एवं कोरियोग्राफर उषा रानी वैश्य कर रही हैं। वे संगीत नाटक अकादमी के प्रतिष्ठित उस्ताद बिस्मिल्लाह ख़ान युवा पुरस्कार 2016 से सम्मानित हैं, दूरदर्शन की 'A' ग्रेड कलाकार, आईसीसीआर की एम्पैनल्ड कलाकार, कीर्तन कला केंद्र, गुवाहाटी की संस्थापक एवं प्राचार्या यूजीसी विजिटिंग फेलो, सीसीआरटी, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की वरिष्ठ शोध फेलो तथा प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय में प्रदर्शन कला विभाग की संकाय सदस्य हैं। उन्हें सत्रीय नृत्य के शिक्षण, प्रशिक्षण, शोध एवं मंचीय प्रस्तुतियों का 25 वर्षों से अधिक का अनुभव है।

समारोह

लायंस क्लब गोल्ड की शशि बनीं अध्यक्ष, नेत्रदान का संकल्प

बिलासपुर। लायंस क्लब गोल्ड के नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ, इस मौके पर लायन शशि बरेठ अध्यक्ष बनी उन्होंने ने अपनो अध्यक्ष सेवा की शुरुवात में स्वंय का नेत्र दान और बॉडी डोनेशन के संकल्प के साथ किया। उनके परिवार की सहमति रही उस भावुक पल में बेटी कशिश बहुत ही भावुक हो गई और सहमति दी इस नेक कार्य के लिए सचिव लायन लता गुप्ता,कोषाध्यक्ष लायन बलजीत कौर अनजानी रही। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना,आकर्षक नृत्य प्रस्तुति, ध्वज वंदन एवं राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसने पूरे समारोह को गरिमामय एवं देशभक्ति के वातावरण से ओत-प्रोत कर दिया। समारोह में आए मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन पुसरी, शपथ अधिकारी पीडीजी लायन बाली,वॉइस डिस्ट्रिक गवर्नर दृतीय लायन पवन मलिक, तृतीय डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन अनिल अग्रवाल, रिजन चेयरपर्सन लायन अर्चना तिवारी,जीएलटी कॉर्डिनर्टर लायन फरहीन चिस्ती उन्होंने नए पदाधिकारियों अध्यक्ष लायन शशि बरेठ, सचिव लायन लता गुप्ता, कोषाध्यक्ष लायन बलजीत कौर अजमानी बधाई दी।

जगन्नाथ मंदिर के खुले पट नवयौवन रूप में हुए प्रभु दर्शन

रेलवे परिक्षेत्र स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर का पट मंगलवार को खोला गया। महाप्रभु का दर्शन पाने सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी थी। सभी लोगों ने भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा का दिव्य नवयौवन रूप में दर्शन किए।

दर्शन पाने उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

उत्कल समाज के अध्यक्ष के.के. बेहरा ने बताया कि सुबह 5 बजे महाप्रभु की पूजा, आरती की गई। मंदिर के शिखर पर परंपरागत ध्वज परिवर्तन किया गया। जिसे भगवान के पूर्णतः स्वस्थ होने और पुनः भक्तों के बीच आने का शुभ संदेश माना जाता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान जगन्नाथ अस्वस्थ होकर 15 दिनों तक एकांतवास में रहे। इस दौरान उनकी औषधीय सेवा और विशेष पूजा-अर्चना की जाती रही। मंदिर का पट श्रद्धालुओं के लिए बंद रहा। इस बीच मंदिर के पुजारियों द्वारा निरंतर काढ़ा देने से महाप्रभु की तबियत में सुधार होते गया। उनके स्वस्थ होते ही मंगलवार को मंदिर का पट खोला गया। इस वर्ष तिथियों के परिवर्तन के कारण मंगलवार को नेत्र उत्सव मनाया गया। गुरुवार 16 जुलाई को भगवान की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी।

पूजा कर किया गया श्रृंगार

सुबह से महाप्रभु की विशेष पूजा-अर्चना कर श्रृंगार किया गया। ध्वज परिवर्तन की परंपरा संपन्न होने के बाद श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के पट खोल दिए गए। नवयौवन दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए दर्शन व्यवस्था, सुरक्षा और अन्य व्यवस्था पुख्ता रखी गई थी।

सजाई गई आकर्षक रंगोली

भगवान जगन्नाथ के सम्मान में पूरी की तर्ज पर मंदिर परिसर में आकर्षक रंगोली सजाई गई है। इसका अवलोकन कर सभी ने बनाने वालों की कला प्रतिभा की सराहना की।

मंदिर के शिखर पर ध्वज परिवर्तन

कल निकलेगी रथयात्रा

मंदिर का पट खोलने के दो दिन बाद 16 जुलाई को बाजे-गाजे के साथ रथयात्रा निकाली जाएगी। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को रथ पर विराजमान कर नगर भ्रमण कराया जाएगा। नगर भ्रमण के बाद भगवान मौसी मां के घर पहुंचेंगे। रथयात्रा में रथ का रस्सा खींचने हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ रहेगी। सभी धार्मिक अनुष्ठान परंपरागत विधि-विधान के अनुसार संपन्न कराए जाएंगे।

रथ बन कर तैयार

रथयात्रा के लिए रथ बन कर तैयार हो गया है। ओड़िशा से मंगाए कपड़ों से उसे आकर्षक रूप दिया गया है। रथयात्रा के दिन उसे फूलों से सजा कर आकर्षक रूप दिया जाएगा। इसी रथ पर सवार होकर भगवान शहर भ्रमण कर शहरवासियों का हाल जानेंगे और मौसी मां के घर जाएंगे। यहां पूरे सात दिन तक रह कर श्रीमंदिर पहुंचेंगे। मौसी मां मंदिर में उनके सम्मान में हर दिन सांस्कृतिक व आध्यात्मिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी।

अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी कलाकृतियां

डीपीएस में 'ट्रैश टू ट्रेज़र' प्रतियोगिता

दिल्ली पब्लिक स्कूल बिलासपुर में कक्षा 6 वीं से 8 वीं के विद्यार्थियों के लिए 'ट्रैश टू ट्रेज़र' प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता के साथ ही पर्यावरण संरक्षण और पुनर्चक्रण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना रहा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पुराने अखबार, प्लास्टिक की बोतलें, गत्ते, डिब्बे और अन्य अनुपयोगी वस्तुओं को अपनी कल्पना शक्ति से सुंदर एवं उपयोगी कलाकृतियों में बदल दिया। किसी ने आकर्षक सजावटी वस्तु बनाई, तो किसी ने बेकार सामग्री को उपयोगी सामान का रूप दिया। विद्यार्थियों की अनोखी सोच और कलात्मक प्रतिभा ने सभी को प्रभावित किया।

इस प्रतियोगिता ने यह संदेश दिया कि कचरा तभी कचरा है, जब हम उसकी उपयोगिता को पहचान नहीं पाते हैं। छोटी-सी पहल और रचनात्मक सोच से हम पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। निर्णायक की भूमिका अंकिता बजाज, दीपा सिंह एवं ममता राठौड़ ने निभाईं। प्राचार्य जसपाल सिंह मथ ने विजेताओं को बधाई दी और कहा कि सच्ची कला और समझदारी वही है, जो किसी के लिए बेकार हो चुकी वस्तु में भी एक नई संभावना खोज ले। कार्यक्रम की संयोजिका अल्पना मजूमदार रहीं। आरसी मोहंती ने भी सभी प्रतिभागियों की सराहना की।

विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक सीख

'ट्रैश टू ट्रेज़र' प्रतियोगिता केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक सीख "कम करें, पुनः उपयोग करें और पुनर्चक्रण अपनाए थी। यद्यपि अनेक नवाचारी एवं आकर्षक परियोजनाएं प्रदर्शित की गईं, तथापि कुछ प्रविष्टियों को अयोग्य घोषित किया गया क्योंकि उनमें नए अथवा बाजार से खरीदे गए तैयार सामग्री का उपयोग किया गया था। प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार प्रतिभागियों को अपनी कृतियां केवल अनुपयोगी एवं वेस्ट मटेरियल से ही तैयार करनी थी। मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान इन नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया गया।

ये रहे विजेता

रचनात्मकता, उपयोगिता और प्रस्तुति के आधार पर विजेताओं की घोषणा की गई। प्रथम स्थान में कावेरी सदन से श्रीनिधी मिश्रा, सातवी 'ई', तनिष्ठा वर्मा आठवी 'अ' एवं कावेरी सदन से दीक्षा लहरे सातवी 'ब', दूसरे स्थान में कावेरी सदन से रीतिका भारती, सातवीं 'स', गंगा सदन से चनाक्षी भोंगड़े छठवी 'ई', गंगा सदन से विराज वर्मा, छठवीं 'स', कावेरी सदन से प्रिंसी कौशिक, छठवीं 'ई', कावेरी सदन से राजवी जुनेजा, सातवी 'ब', तृतीय स्थान पर नर्मदा सदन से सृष्टि, आठवी 'अ' एवं कावेरी सदन से आदित्य जुनेजा, छठवी 'स', नर्मदा सदन से आदित्य सखूजा सातवी 'स', ब्रह्मपुत्र सदन से विवान अग्रवाल आठवी 'ब' एवं कावेरी सदन से युवान सिंह, सातवीं 'द' को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

समाज सेवा व विधि क्षेत्र में योगदान के लिए उषाकिरण का सम्मान

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते का संदेश व्यवहार में भी दिखना चाहिए

बिलासपुर। नारी शक्ति बिलासपुर के तत्वावधान में रविवार को प्रार्थना सभागार में सदस्य किशोर न्याय बोर्ड एवं जिला कुटुंब न्यायालय की परामर्शदाता के रूप में अपनी सेवाएं पूर्ण करने पर डॉ. उषा किरण बाजपेयी का गरिमामय अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा, उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष गौतम चौरड़िया, महापौर पूजा विधानी, गौरकापा धाम के महंत विष्णु गिरी, राष्ट्रपति सम्मानित विदुषी डॉ. पुष्पा दीक्षित, महर्षि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नरेश तिवारी तथा पूर्व राजभाषा आयोग अध्यक्ष डॉ. विनय पाठक सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वक्ताओं ने डॉ उषा किरण बाजपेयी के विधि, समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक गतिविधियों में दिए गए दीर्घकालीन योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी कर्मठता, संवेदनशीलता और समर्पण से समाज में विशिष्ट पहचान बनाई है। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि औपचारिक दायित्वों से मुक्त होने के बाद भी उनका अनुभव और मार्गदर्शन समाज को मिलता रहेगा,समारोह में डॉ. उषा किरण बाजपेयी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित एक स्मारिका का विमोचन किया गया। भजन संध्या भी आयोजित हुई। इन्होंने पिछले लगभग 35 वर्षों से विधि, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में सक्रिय हैं। नारी शक्ति छत्तीसगढ़ के माध्यम से उन्होंने महिला सम्मान और स्वावलंबन के लिए शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक कार्य किया है। वे स्काउट-गाइड की आजीवन सदस्य हैं तथा दो बार राज्य आयुक्त (गाइड) की जिम्मेदारी निभा चुकी हैं। जिला कुटुंब न्यायालय में परामर्शदाता के रूप में उन्होंने अनेक परिवारों को टूटने से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभिन्न महिला मंडलों, विधिक संस्थाओं और समितियों में भी उन्होंने उल्लेखनीय सेवाएं दी हैं। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि आज के बदलते सामाजिक परिवेश में डॉ उषा किरण बाजपेयी जैसी व्यक्तित्वों का मार्गदर्शन समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते का संदेश केवल मंचों तक सीमित न रहकर व्यवहार में भी दिखाई देना चाहिए और यह आयोजन उसी भावना का जीवंत उदाहरण बना। कार्यक्रम में अभिनंदन-पत्र का वाचन संस्था की संरक्षक डॉ शकुंतला जितपूरे ने किया, संचालन संस्था की उपाध्यक्ष संध्या शुक्ला ने तथा आभार सचिव श्वेता पांडे ने व्यक्त किया।

स्पोर्ट्स न्यूज

6वीं राज्य स्तरीय थांग-टा चैंपियनशिप में खिलाड़ी रहे विजेता

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ थांग-टा एसोसिएशन द्वारा थांग-टा फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में तथा नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट के सहयोग से आयोजित 6वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय थांग-टा चैंपियनशिप का आयोजन 11 एवं 12 जुलाई को रेल संस्कृति निकेतन, में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता में फुनाबा अमा एवं फुनाबा अनिशुबा स्पर्धाओं के विभिन्न भार वर्गों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट तकनीकी कौशल, अनुशासन एवं खेल भावना का परिचय देते हुए रोमांचक मुकाबले प्रस्तुत किए। उद्घाटन समारोह प्रतियोगिता का शुभारंभ यू. शिव शंकर राव, रंजन कुमार, सी. नवीन कुमार तथा हेमन सिंह परिहार द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। अतिथियों ने खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन एवं आत्मरक्षा के महत्व पर प्रेरक संदेश दिए। आयोजित पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह में सहयोग फाउंडेशन की संस्थापक किरण सिंह, भाजपा युवा मोर्चा, छत्तीसगढ़ के प्रदेश मंत्री सनी केशरी तथा तोरवा थाना प्रभारी रजनीश सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को पदक, प्रमाण-पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया तथा सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।आयोजन समिति अध्यक्ष सतीश कुमार टंडन, महासचिव एवं राज्य प्रतिनिधि घनश्याम सिंह, छत्तीसगढ़ थांग-टा एसोसिएशन, सचिव सी. नवीन कुमार आयोजन समिति ने सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों, अभिभावकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी थांग-टा खेल के विकास हेतु इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन करने का संकल्प व्यक्त किया।

सब-जूनियर बालक

स्वर्ण पदक मोहिक सरकार,काश्य पदक चार्लिक मोलामी,रजत पदक आयांश सिन्हा,स्वर्ण पदक मयंक पाल काश्य पदक तरुण ध्रुव,यथार्थ निर्मलकर, स्वर्ण पदक,अभिज्ञनाथ सिंह, स्वर्ण पदक आदित्य, कंस्या पदक सशिश कुमार विजेता रहे।

खबर संक्षेप

छात्रवृत्ति के लिए पंजीयन की प्रक्रिया शुरू

मुंगेली। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सत्र 2026-27 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। योजना का लाभ कक्षा 12वीं से उच्चतर अध्ययनरत पात्र विद्यार्थी प्राप्त कर सकेंगे। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि जिले में संचालित समस्त शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेज, आईटीआई, पॉलिटेक्निक सहित अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों के पात्र विद्यार्थी वेबसाइट पोस्टमैट्रिक-स्कॉलरशीप डॉट सीजी डॉट एनआईसी डॉट इन पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

ईंट निकलवाने को लेकर विवाद, मारपीट

तखतपुर। पुलिस के अनुसार

निगारबंद निवासी शांति देवी साहू नर्मदा महिला स्व सहायत समूह के नाम से गांव मे राशन दुकान चलाती है। जो अपने खाली जमीन में लगे हुए ईंट को निकलवाकर मकान बनावा रही है। जिस पर पडोसी अभिमन्यु केंवट बाउंडरी के ईंट को निकालने का विरोध करते हुए 12 जुलाई के सुबह 9.30 बजे के करीब गालीगलौज करने लगा जब गाली देने से मना करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट शुरू कर दी, जिसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई है। रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 115,2, 296, 351,3 के तहत अपराध पंजीकृत कर मामले को जांच में लिया है।

निधन

सुलोचना शर्मा

बिलासपुर। विद्यानगर निवासी

सुलोचना शर्मा का मंगलवार 14 जुलाई को निधन हो गया। वे 89 वर्ष की थीं। उनकी अंतिम यात्रा बुधवार 15 जुलाई को सुबह 11 बजे उनके निज निवास से दयालबंद मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे स्व.भगवान प्रसाद शर्मा की पत्नी व भावेश एवं सोनल शर्मा की माता थीं।

कोरबा के बालको रिस्दी रिंग रोड पर हुआ हादसा

ट्रेलर ने बुलेट को मारी टक्कर, जीपीएम जिले की युवती सहित दो की मौत, एक गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

कोयले से भरी एक तेज रफ्तार ट्रेलर के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बुलेट सवार तीन लोगों को कोरबा जिले के ढेंगुरनाला पुल पर अपनी चपेट में ले लिया जिससे मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहे एक युवक व एक युवती की मौत हो गई है। घटना में एक अन्य युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों का आक्रोश फूट पड़ा था और चक्काजाम करने का प्रयास किया जा रहा था लेकिन पुलिस मौके पर पहुंच गई और लोगों को समझाइश दी गई जिसकी वजह से चक्काजाम नहीं हुआ। हादसे को अंजाम देने वाले चालक के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटनाकारित ट्रेलर को जप्त कर लिया है।

जानकारी के अनुसार पड़ोसी जिला जांजगीर चांपा के शिवरीनारायण के ग्राम कचंदा निवासी हैप्पी रात्रे 26 वर्ष पिता हीरालाल रात्रे मेडिकल कॉलेज में छात्र था और एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। बताया जाता है कि गौरेला पेंड्रा निवासी रेशमा नागेश 25 वर्ष और उसकी सहेली रागनी यादव कोरबा घूमने के लिए आए हुए थे और मंगलवार की सुबह लगभग 10:30 बजे हैप्पी रात्रे, रेशमा नागेश और रागिनी यादव हैप्पी की मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 10 सीबी 2635 में सवार होकर बालको से रिस्दी की ओर जा रहे थे कि इसी दौरान कोयला लेकर रिस्दी से बालको की ओर आ रही ट्रेलर क्रमांक सीजी 12 बीजी 9223 के चालक ने तेजी एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बालको रिंग रोड के ढेंगुरनाला पुल पर मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा होते ही मौके पर अफरा तफरी की स्थिति निर्मित हो गई और लोगों की भारी भीड़ एकत्रित हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही बालको पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। जब तक घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया जाता उससे पहले मौके पर एमबीबीएस छात्र हैप्पी रात्रे और गौरेला पेंड्रा निवासी रेशमा नागेश की मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल रागनी को उपचार के लिए मेडिकल हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है। पुलिस ने दुर्घटना को अंजाम देने वाले चालक को गिरफ्तार कर लिया है और दुर्घटनाकारित ट्रेलर को भी जब्त कर लिया है।

बालको रिंग रोड में लगातार हो रही है दुर्घटना

बालको से रिस्दी को जोड़ने वाले रिंग रोड में पिछले कुछ महीनों से लगातार दुर्घटनाएं हो रही है कुछ दिनों पूर्व ही रिंग रोड में एक हादसा हुआ था जिसमें युवक की मौत हो गई थी इस हादसे को अभी लोग नहीं भूल पाए हैं कि फिर से इसी मार्ग में हादसा हो गया है और दो लोगों की मौत हो गई है। यह मार्ग काफी जर्जर हो चुका है जिसकी वजह से लोग हादसों का शिकार हो रहे हैं। इस मार्ग में हमेशा भारी वाहनों का परिचालन होता है लेकिन मार्ग की हालत बद से बदत्तर हो चुकी है जिसकी वजह से हादसे से हो रहे हैं। भारी वाहनों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। इस मार्ग में भारी वाहनों का ही दबाव है लेकिन लंबे समय से इस मार्ग का चौड़ीकरण हो पाया है और ना जीर्णोद्धार। जिला प्रशासन को इस मार्ग को चौड़ीकरण और बेहतर बनाने की दिशा को ठोस पहल करनी चाहिए ताकि इस तरह के हादसों को रोका जा सके।

20 लाख रूपए दहेज के लिए महिला डॉक्टर से मारपीट और प्रताड़ना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अम्बिकापुर

शादी के बाद एक महिला डॉक्टर को 20 लाख रूपए दहेज के लिए प्रताड़ति किया गया। महिला के पति, सास-ससुर के साथ ही परिवार के अन्य लोगों ने उसके साथ मारपीट की और मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ति किया। अब महिला चिकित्सक की शिकायत पर पुलिस ने पति समेत 5 लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

बताया जा रहा है कि सूरजपुर जिले के बिश्रामपुर अंतर्गत शिवनंदनपुर निवासी डॉ. प्रियंका जायसवाल की शादी 30 अप्रैल 2025 को मरवाही निवासी डॉ. कोमल प्रसाद राय से हिन्दू रीति रिवाज के साथ की गई थी। शादी के दौरान महिला डॉक्टर प्रियंका के पिता क्रिसन कुमार जायसवाल ने तिलक में 3 लाख 25 हजार रूपए नगद और सोने की चेन, अंगूठी दी थी। सगाई और तिलक का कार्यक्रम मनेंद्रगढ़ के होटल हसदेव इन में हुआ था जिसका आधा खर्च मांगने पर उन्होंने 80 हजार रुपए भी लड़की पक्ष के लोगों ने दिया था। आरोप है कि शादी के पहले पति डॉ. कोमल राय ने नया घर और कार खरीदने का हवाला देकर डॉ. प्रियंका के पिता से 5 लाख रुपए उधार लिया था और बाद में लौटाने की बात कही थी। महिला का आरोप है कि सगाई के अगले दिन 2 अप्रैल को ससुर और अन्य परिजन ने फोन कर 20 लाख रुपयों की मांग इस आधार पर की थी कि 10 लाख रूपए तो चपरासी को भी मिलते है कोमल तो फिर भी डॉक्टर है। 20 लाख की मांग करने पर महिला चिकित्सक के पिता ने शादी करने से मना करते हुए रिस्ता तोड़ने की बात कही जिसके बाद दिखावे के लिए आरोपियों ने माफ़ी मांगी और इसके बाद 30 अप्रैल को विश्रामपुर के आनंद रिहंदम मैरिज लॉन में दोनों की शादी हुई, जिसमें घरेलू सामान भी दिया गया। अब महिला की शिकायत पर बिश्रामपुर पुलिस ने पति 39 वर्षीय डॉ. कोमल प्रसाद राय, 65 वर्षीय ससुर पुरुषोत्तम राय, 60 वर्षीया सास अरुणा देवी, 45 वर्षीय अमित जायसवाल, ननद 46 वर्षीया कामिनी जायसवाल, 45 वर्षीय विजय जायसवाल और 43 वर्षीय किरण जायसवाल के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 3(5) और 85 के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

■ पति समेत 5 के खिलाफ अपराध दर्ज

राष्ट्रीय समारोह में आठ शिक्षकों का होगा सम्मान

मुंगेली। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत द्वारा स्व. हरिवंश मिश्र राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन 15 जुलाई बुधवार सायं 5 बजे विमतारा, मधु पिल्ले चौक, शांति नगर, रायपुर में किया जाएगा। इस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में हरिभूमि प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाविद् एवं समाजसेवी संजय अग्रवाल, संस्थापक एन.आर. स्टील रायगढ़ करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विभागाध्यक्ष (भाषा विज्ञान) पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, डॉ. चितरंजन कर राजभाषा हिंदी सलाहकार, रेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा डॉ. पूर्णानंद मिश्रा, राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत उपस्थित रहेंगे। उक्त पुरस्कार हेतु मुंगेली जिला से शैलेश कुर्रे, नारायणी कश्यप, कोमल खन्ना, अन्नपूर्णा परिहार, सारिका गुप्ता, दुर्गा तिवारी, वंदिता शर्मा, बलजीत सिंह कांत शिक्षकों का चयन हुआ है। संस्था के अनुसार यह सम्मान राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का राष्ट्रीय अभिनंदन है।

फार्म 37
[नियम 61 (3 देखें)]

मोटर वाहन के पंजीकृत मालिक को नोटिस के लिए पंजीकरण का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना स्थापना और ताजा पंजीकरण का उपयोग किया जा सकता है वित्तीय के नाम में प्रमाण पत्र
(डुप्लिकेट में बनाया जा सकता है और डुप्लिकेट कॉपी को फाइनेंसर को एक साथ भेजा जाना है नोटिस जारी करना)
पंजीकरण की स्थिति का कार्यालय **बिलासपुर**
रेफरी संख्या 583/RTO/26 दिनांक 09/07/2026
श्री/श्रीमती/कुमारी **खालसा कोल ट्रेडिंग** (रजिस्टर्ड मालिक) [illegible]
[illegible] जारी किया जाएग फाइनेंसर का नाम, आपके अनुसार आयोजित पंजीकरण का प्रमाणपत्र रद्द करना धारा 51 (5) के साथ।

Registering Authority
R.T.O. Bilaspur (C.G.)
पंजीकरण प्राधिकरण का हस्ताक्षर

तारीख..................
जो भी अनुचित हो, स्ट्राइक आउट करें।
सेवा,
फाइनेंसर टाटा कैपिटल लिमिटेड,
शांति नगर अमेरी, स्टेट बैंक के उपर, बिलासपुर (छ.ग.)
वाहन स्वामीः- प्रोपराईटर श्री सिमर हौरा, तृतीय तल, 305, सी.के.टावर, चड्डा बाड़ी, नेहरू नगर बिलासपुर (छ.ग.)

सामाजिक एकता व विकास में पदाधिकारी का उत्तरदायित्व आवश्यक: राजेश

मोपका। सूर्यवंशी समाज के कुकदा सर्किल का शपथ ग्रहण समारोह ग्राम मड़ई में संपन्न हुआ। नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष सूर्यवंशी रहे। उन्होंने कहा कि समाज में एकता बनाए रखना सभी पदाधिकारियों का दायित्व है, समाज में में विचार मंथन जरूरी है। हम सब समाज के हर दुख-सुख में खड़े हो तभी समाज विकास करेगा। समाज की मांग पर कुकदा सर्किल को सामाजिक भवन के लिए मड़ई में 10 लाख देने की घोषणा की। विशिष्ट अतिथि सूर्यवंशी समाज के जिला उपाध्यक्ष रहस्य गढ़ेवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मड़ई सरपंच फिरतराम अनंत ने की। इस मौके पर जिला पंचायत सभापति प्रतिनिधि चंद्र प्रकाश सूर्य, जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र धीवर, जनपद सभापति मनोज खरे, सरपंच संघ अध्यक्ष श्वेता शैलेंद्र खांडेकर, परिक्षेत्र उपाध्यक्ष बी सत्यार्थी वीरेंद्र लैहर्सन, बूट्टन पटनवार, ईश्वर पटनवार, पति राम सूर्यवंशी, दिलहरण आदि मंचस्थ अतिथि रहे। स्वागत भाषण सर्किल अध्यक्ष तेल राम राहर ने दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन देवकुमार टेंगवर व रामस्वरूप लैहर्सन ने किया। इस अवसर पर नरेंद्र लहरे, दिनेश तंवर एफ.एल टेंगवर, विदेशी राम, रामस्नेही, श्यामबिहारी, अमरनाथ टेंगवर, चंद्रप्रकाश कांगों, रामावतार, रामनीहोर सूर्यवंशी, धर्मेन्द्र, शिवकुमार, सौखीलाल, सहित सर्किल के सभी गांवों के सामाजिक प्रतिनिधि ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

स्कूली छात्राओं को लगाया गया एचपीव्ही का टीका

मुंगेली। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में बालिकाओं का निःशुल्क एचपीव्ही टीकाकरण किया जा रहा है। राष्ट्रव्यापी एचपीव्ही टीकाकरण अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा एचपीव्ही टीकाकरण का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम मे पूर्व माध्यमिक शाला भटगांव के बालिकाओं का टीका लगाया गया। स्वास्थ्य विभाग से आरएमए श्रीमती निधि तिवारी ने वैक्सीन की उपयोगिता के बारे मे बताते हुए कहा कि एचपीव्ही ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण ही सर्वाइकल कैंसर का मुख्य कारण है समय पर लगाया गया एचपीव्ही टीका इस गंभीर बीमारी से बचाव का सुरक्षित उपाय है। इसके पश्चात विद्यालय के टीकाकरण के लिए पात्र 14-15 वर्ष की आयु वर्ग के बालिकाओं को एचपीव्ही का निःशुल्क टीका लगाया गया। स्वास्थ्य विभाग टीम मे मुख्य रुप से आरएमए श्रीमती निधि तिवारी, श्रीमती वीणा टण्डन, जया यादव, गायत्री ठाकुर, दुर्गा साहू शामिल रहे। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण राजेश चतुर्वेदी, अमित सोनी, संतराम साहू उपस्थित रहे।

मकान का ताला तोड़कर, जेवरात और नकदी पार

मल्हार। चौकी क्षेत्र के ग्राम चौहा में एक सूने मकान को निशाना बनाकर अज्ञात चोर ने सोने-चांदी के जेवरात और 15 हजार नकदी पार कर दिए। चोरी की यह पूरी वारदात घर के भीतर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश में जुट गई है। पुलिस के अनुसार ग्राम चौहा निवासी विवेक राय की मां गांव में अकेली रहती हैं। 10 जुलाई की शाम करीब 6 बजे उनका बड़ा भाई मां को अपने साथ बिलासपुर ले गया था। जिसके बाद घर सूना पड़ा था। 13 जुलाई की सुबह करीब 10 बजे जब परिवार के सदस्य लौटे तो घर के मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था। अलमारी का लॉक तोड़कर उसमें रखे चांदी के छह जेवर, सोने के तीन गहने, 15 हजार रुपये नकद गायब मिले। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बिलासपुर (छ.ग.)
ई-कोर्ट प्र.क.202506072400092 /अ-06/2024-25
ग्राम-जूना बिलासपुर, तहसील-व जिला बिलासपुर

01.श्रीमती कृष्णा दुआ पिता स्व. सीताराम दुआ पति स्व. गोविंद महेंद्र निवासी बुखारी पेट्रोल पंप के पास, लिंक रोड, बिलासपुर, खास मुख्तियार प्रफुल झा पिता स्व. आर.एन.झा, पिता स्व. आर.एन.झा निवासी भारतीय नगर बिलासपुर तह. व जिला बिलासपुर..................अपीलार्थी

बनाम

01 श्रीमती नीलम शर्मा पति श्री राजेन्द्र शर्मा निवासी सरजू बगीचा, मसानगंज, तह. व जिला बिलासपुर 02 दुर्गेश नंदिनी उर्फ बबली पिता बृजमोहन दुआ निवासी लिटिल फ्लावर स्कूल के सामने जरहाभाठा बिलासपुर, तह. व जिला बिलासपुर 03. संतोषी जांगड़े पति वेंकट जांगड़े निवासी ग्राम दामापुर तह. व जिला मुंगेली.......................उत्तरवादीगण

सूचना

प्रति,
01.श्रीमती नीलम शर्मा पति श्री राजेन्द्र शर्मा निवासी सरजू बगीचा, मसानगंज, तह. व जिला बिलासपुर 02. दुर्गेश नंदिनी उर्फ बबली पिता बृजमोहन दुआ निवासी लिटिल फ्लावर स्कूल के सामने जरहाभाठा बिलासपुर, तह.व जिला बिलासपुर 03. संतोषी जांगड़े पति वेंकट जांगड़े निवासी ग्राम दामापुर तह. व जिला मुंगेली
विषय: पेशी में उपस्थित होने बाबत।

इस न्यायालय में श्रीमती कृष्णा दुआ पिता स्व. सीताराम दुआ पति स्व. गोविंद महेंद्र निवासी बुखारी पेट्रोल पंप के पास, लिंक रोड, बिलासपुर. खास मुख्तियार प्रफुल झा पिता स्व.आर.एन.झा, पिता स्व. आर.एन.झा निवासी भारतीय नगर बिलासपुर तह. व जिला बिलासपुर ओर से छ.ग.भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 44 (1) के तहत मौजा जूना बिलासपुर की भूमि के संबंध में न्यायालय तहसीलदार, सकरी द्वारा रा.प्र.क्र.-202407073200058/अ-06/2023-24 में पारित आदेश दिनांक 24/04/2025 के विरूद्ध अपील आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण की सुनवाई दिनांक 24.07.2026 को अधोहस्ताक्षरर्ता के न्यायालय में नियत है।

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि, आप उक्त प्रकरण में सुनवाई हेतु अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में उक्त दिनांक एवं स्थान में 3.00 बजे स्वतः या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रकरण में भाग ले सकते है। अनुपस्थिति की दशा में आपके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

यह भी सूचित किया जाता है कि यदि उक्त नियत दिनांक को अवकाश घोषित हो जाता है, तो प्रकरण की सुनवाई आगामी न्यायलयीन दिवस में की जावेगी।

आज दिनांक-07/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बिलासपुर (छ.ग.)
ई-कोर्ट प्र.क्र.-202510072500057/ ब-121/2023-24 ग्राम-तालापारा, तहसील-बिलासपुर, जिला बिलासपुर

01. अरूण कुमार पिता नारायाण दास अग्रवाल निवासी नागपुर महाराष्ट्र वर्तमान पता विनोबा नगर बिलासपुर मुख्तीयार खास प्रफुल झा पिता आर.एन. झा निवासी भारतीय नगर बिलासपुर.... अपीलार्थी

बनाम

01. श्रीमती एस. शशि प्रभा राव पति वासूदेव राव, 02. जगदीश प्रासद साहू पिता मिलउराम साहू दोनो निवासी वार्ड नं.-09, व्यापार विहार रोड आयकर विभाग के सामने तह. व जिला बिलासपुर....उत्तरवादीगण

सूचना

प्रति, 01. श्रीमती एस. शशि प्रभा राव पति वासूदेव राव, 02. जगदीश प्रासद साहू पिता मिलउराम साहू दोनो निवासी वार्ड नं.-09, व्यापार विहार रोड आयकर विभाग के सामने तह. व जिला बिलासपुर
विषय:- पेशी में उपस्थित होने बाबत।

इस न्यायालय में अपीलार्थी अरूण कुमार पिता नारायाण दास अग्रवाल निवासी नागपुर महाराष्ट्र. वर्तमान पता विनोबा नगर बिलासपुर. मुख्तीयार खास प्रफुल झा पिता आर.एन. झा, निवासी भारतीय नगर बिलासपुर की ओर से छ.ग. भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 44 (1) के तहत मौजा तालापारा की भूमि के संबंध में न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर के ई.रा.प्र. क्र.-202510072500057/ब-121/2024-25 में पारीत आदेश दिनांक-03/11/2005 के विरूद्ध अपील आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त प्रकरण की सुनवाई दिनांक 20.07.26 को अधोहस्ताक्षरर्ता के न्यायालय में नियत है।

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि, आप उक्त प्रकरण में सुनवाई हेतु अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में उक्त दिनांक 20.07.2026 एवं स्थान में 3.00 बजे स्वतः या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रकरण में भाग ले सकते है। अनुपस्थिति की दशा में आपके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

यह भी सूचित किया जाता है कि यदि उक्त नियत दिनांक को अवकाश घोषित हो जाता है, तो प्रकरण की सुनवाई आगामी न्यायलयीन दिवस में की जावेगी।

आज दिनांक-30/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय:- श्रीमती गिरिजा देवी मेरावी
प्रधान जिला न्यायाधीश मुंगेली
जिला मुंगेली (छ.ग.)

बसंत कुमार एवं 1 अन्य..........वादीगण
बनाम
डमरूदास एवं अन्य ....प्रतिवादीगण
व्यवहार वाद क्रमांक 04अ/2025
पेशी तारीख 22/08/2026
प्रोसेस क्रमांक- 1184/2026

प्रति,
1. सम्मनदास पिता बिसौहा मनु, निवासी जरहाभाठा, मंझवापारा बिलासपुर, तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)
2. शिवकुमार मनु पिता सम्मनदास, निवासी जरहाभाठा, मंझवापारा बिलासपुर, तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)
3. राजदीप मनु शिक्षक, पिता सम्मनदास, निवासी घोड़ादाना हायर सेकेण्डरी स्कूल तारबाहर इंदिरा कॉलोनी बिलासपुर, तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)

समंस / नोटिस

इस न्यायालय में वादीगण द्वारा प्रतिवादीगण के विरूद्ध घोषणा कर बंटवारा करने एवं प्रतिवादीगण द्वारा वादभूमि को स्थानांतरण न करने हेतु दावा प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण में **पेशी दिनांक 22.08.2026** को नियत है।

अतः प्रतिवादीगण को समंस / नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि प्रतिवादीगण या किसी को दावा आपत्ति हो तो इस न्यायालय में उपस्थित होकर मय दस्तावेज एवं जवाब प्रस्तुत करें, अन्यथा प्रकरण में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी, उक्त पेशी दिनांक को अवकाश होने पर आगामी कार्य दिवस को उक्त प्रकरण की कार्यवाही की जावेगी।

यह आज दिनांक 07.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया है।

(श्रीमती गिरिजा देवी मेरावी)
प्रधान जिला न्यायाधीश मुंगेली,
जिला मुंगेली (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी
बिलासपुर (छ.ग.)
-:: ईश्तहार ::-
रा0प्र0क्र0 / अ-6/2025-26

पक्षकार शेख निसार अहमद बक्श पिता शमशेर अहमद बक्श वगैरह ....**आवेदकगण**
बनाम
इब्राहीम पिता स्व. नूर मोहम्मद वगै. ....
अनावेदकगण

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण शेख निसार अहमद बक्श पिता शमशेर अहमद बक्श वगैरह निवासी अल अजीज क्राकरी स्टोर सदर बाजार करोना चौक बिलासपुर छ.ग. ने स्वयं के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर नगर पालिक निगम बिलासपुर के मोहल्ला गोंड़पारा शीट नं. 26 प्लाट नं. 91/1 रकबा 687 व.फु. भूमि स्थित है। उक्त भूमि नजूल अभिलेख आवेदकगण एवं अनावेदकमण इब्राहीम पिता स्व. नूर मोहम्मद वगै. के नाम पर दर्ज है। आवेदकगण के व्दारा उक्त भूमि को हिबानामा के आधार पर प्राप्त कर नामांतरण किये जाने बाबत आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 109,110 छ.भू.रा.सं. 1959 वास्ते आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

इस संबंध में किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे दिनाँक 29.07.2026 को न्यायालयीन समय में स्वतः उपस्थित होकर अथवा अपने विधि मान्य प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। उक्त तिथि के उपरांत प्राप्त आपत्ति / दावा विचारणीय नही होगा।

आज दिनांक 14/7/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
बिलासपुर (छ.ग.)

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरे आसामी अशोक जायसवाल बिलासपुर द्वारा भूमि स्वामी घसनीन साहू, पति नारायण साहू के स्वत्व एवं आधिपत्य की मौजा रतनपुर, तह. रतनपुर, जिला बिलासपुर स्थित भूमि ख.नं. 2849/1/च/1 रकबा 0.7320 हे., ख.नं. 5027/1 रकबा 0.0320 हे., ख.नं. 5027/2 रकबा 0.0320 हे. को क्रय करने का सौदा किया गया है, जिसकी निकट भविष्य में भूमि स्वामी द्वारा मेरे आसामी या मेरे आसामी द्वारा नामित व्यक्ति के पक्ष में पंजीकृत विक्रय पत्र निष्पादित कर दिया जायेगा, अतः इस क्रय विक्रय में किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय या गैर शासकीय निकाय, बैंक इत्यादि को कोई दावा आपत्ति हो तो वह इस सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज लिखित आपत्ति दर्ज करावे, समय बाधित आपत्ति अमान्य होगी।
अस्तु सूचना जानें।

भवदीय
किशन यादव अधिवक्ता
कार्या./ नि.-राजस्व कालोनी,
पेठा कारखाना के सामने, चांटीडीह रोड, सरकण्डा,
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
मो.नं.- 7805928773

न्यायालय तहसीलदार
बिलासपुर (छ.ग.)
समंस
क्रमांक/क/तह./ वा./ 2026
बिलासपुर, दिनांक 13/7/2026

एतद् द्वारा श्रीमती कमला देवी पांडे पति जवाहरलाल पाण्डेय निवासी जेवरा मुंगेली तहसील व जिला मुंगेली को सूचित किया जाता है कि ग्राम कुदुदण्ड प.ह.नं. 34 तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग. स्थित भूमि खसरा नंबर 357/22, 357/23 रकबा क्रमशः 1750, 700 वर्गफुट कुल 2450 वर्गफुट जिसका शीट नं. 9, प्लाट नंबर 45/3, 45/2 ब्लाक न बर 02 है को धारा 115 भू.रा.सं. अंतर्गत अभिलेख दुरूस्त कर नाम दर्ज करने के लिए आवेदक अनुप्रीत बिल्डर्स प्रा लिमि. बिलासपुर द्वारा डायरेक्टर सुजीत कुमार गुप्ता पिता श्री लक्ष्मी प्रसाद केशरवानी निवासी नेहरू नगर बिलासपुर तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग. द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया।

उक्त प्रकरण के सुनवाई दिनांक 29.07.2026 के लिए नियत है। अतः आप दिनांक 29.07.2026 को सुबह 11:00 बजे स्वयं अथवा अपने प्राधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर मय दस्तावेज जवाब पेश कर सकते हैं। समयावधि के पश्चात दस्तावेज एवं जवाब स्वीकार नहीं किये जावेंगे।

आज दिनांक 13/07/2026 को मेरे पद मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी।

तहसीलदार
बिलासपुर (छ.ग.)

CHANGE OF NAME

It is for general information that Abhishek Daniel, son of Shri Augustine Daniel, aged about 44 years, resident of Ward No. 16, Village Khamtarai, Baimanagoi, Tahsil & District Bilaspur, (C.G) 495006 declare that my minor son's name has been wrongly written as 'Raejal Daniel', age 9 years in his Aadhaar Card No. 8767 4340 9659.

The Actual name of my minor son as recorded in his Birth Certificate and School Records, is 'Raezel Daniel. Now I have changed my minor son's name & shall be hereafter be known as Raezel Daniel for all legal and official purposes & correction in the Aadhaar record.

Abhishek Daniel
Khamtarai
District Bilaspur (C.G.)

प्रारूप-(तीन)
शपथपत्र का प्रारूप
(50 रू का नॉन-ज्युडिशियल स्टाम्प पेपर पर)

मैं रानी बाई प्रजापति (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी सोनू राम प्रजापति निवासी बरतोरी एतद द्वारा मैं पूर्णतः पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ:

ग्राम+पो.बरतोरी तह. बिल्हा जिला-बिलासपुर (छ.ग.) का स्थायी निवासी हूँ। 2. मेरा पुराना नाम रानी बाई प्रजापति है और मैं अपना नाम बदलकर जानकी बाई प्रजापति नया नाम जानकी बाई प्रजापति करवाना चाहता/ चाहती हूँ। 3. मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है। 4. मैं अपना नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता/करती हूं, तो उसके लिए मैं पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूंगा/ रहूंगी। 5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं/रही हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ/ रही हूँ।

शपथकर्ता
रानी बाई प्रजापति

न्यायालय:- श्रीमान प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, मुंगेली जिला-मुंगेली (छ.ग.)

पुखराज ...आवेदक
बनाम
विरेन्द्र कुमार वगैरह ...अनावेदकगण
प्र.क्र. 03/2026
पेशी तारीख 05.08.2026
प्रोसेस क्र.-160/26

प्रति, 1. विरेन्द्र कुमार पिता रूप कुमार उम्र 46 वर्ष 2. कविता पिता रूप कुमार उम्र 38 वर्ष 3. बीना पिता रूप कुमार उम्र 36 वर्ष सभी निवासी [illegible] दाऊपारा मुंगेली, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

समंस / नोटिस

इस न्यायालय में आवेदक द्वारा आपके विरूद्ध विविध व्यवहार वाद प्र.क्र. 03/2026 प्रस्तुत किया गया है, जिसमें आपको अनावेदक क्रमांक 01, क्रमांक 02 एवं क्रमांक 03 के रूप में संयोजित किया गया है। उक्त प्रकरण में पेशी दिनांक 05.08.2026 को नियत है।

अतः आप स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर मय दस्तावेज एवं जवाबदावा प्रस्तुत करें अन्यथा आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी। उक्त पेशी दिनांक को अवकाश होने पर आगामी कार्य दिवस को उक्त प्रकरण की कार्यवाही की जावेगी।

यह आज दिनांक 22.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

(जसविन्दर कौर अजमानी मलिक)
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, मुंगेली, जिला-मुंगेली छ.ग.

फार्म 37
[नियम 61 (3 देखें)]

मोटर वाहन के पंजीकृत मालिक को नोटिस के लिए पंजीकरण का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना स्थापना और ताजा पंजीकरण का उपयोग किया जा सकता है वित्तीय के नाम में प्रमाण पत्र
(डुप्लिकेट में बनाया जा सकता है और डुप्लिकेट कॉपी को फाइनेंसर को एक साथ भेजा जाना है नोटिस जारी करना)
पंजीकरण की स्थिति का कार्यालय **बिलासपुर**
रेफरी संख्या 582/RTO/26 दिनांक 09/07/2026
[illegible]

Registering Authority
R.T.O. Bilaspur (C.G.)
पंजीकरण प्राधिकरण का हस्ताक्षर

तारीख..................
जो भी अनुचित हो, स्ट्राइक आउट करें।
सेवा,
फाइनेंसर इण्डसइंड बैंक लिमिटेड,
[illegible]

न्यायालय कार्यपालिक दंडाधिकारी
तखतपुर, जिला बिलासपुर (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र. ......
ग्राम मोछ प.ह.नं. तहसील तखतपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.)

प्रति,
बऊवा राम खाण्डे बनाम
छ.ग. शासन

एतद द्वारा ग्राम मोछ प.ह.नं. तहसील तखतपुर जिला बिलासपुर छ.ग. के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक बऊवा राम खाण्डे पिता सुखराम खाण्डे जाति सतनामी निवासी ग्राम मोछ तहसील तखतपुर जिला बिलासपुर छ.ग. के द्वारा अपने पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण वर्तमान में अपने पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु अपने पिता सुखराम की मृत्यु दिनांक 15/02/2009 को ग्राम मोछ तह. तखतपुर जिला बिलासपुर छ.ग. में होने का हवाला देते हुए अपने पिता की मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में न्यायालय कार्यपालिका दण्डाधिकारी तखतपुर में मामला विचाराधीन है जिसमे दिनांक 17/07/2026 को सुनवाई नियत किया गया है उपरोक्त मृत्यु प्रमाण पत्र के संबंध में यदि कोई व्यक्ति अथवा हितबद्ध पक्षकार किसी प्रकार से कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना चाहता है तो नियत तिथि तक प्रस्तुत कर सकता है नियत तिथि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 03/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की सील मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
तखतपुर

आम सूचना

सर्व साधारण को इस आम सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि श्री सौखी राम पिता मकूंद, निवासी-चातरखार तहसील व जिला मुंगेली (छ.ग.) के सह स्वामित्व की ग्राम-कोरमी, प.ह.नं.-42, रा.नि.मं. सिरगिट्टी, तहसील व जिला - बिलासपुर (छ.ग.) स्थित खसरा नं. 191 शामिल 192 एवं 247 रकबा क्रमशः 0.032 हे. तथा 0.688 हे. कुल रकबा 0.720हे. भूमि में से सौखीराम के अंश को रू.9,00000/- (नौ लाख रुपये) प्रति एकड़ की दर से क्रय करने का पक्का मेरे पक्षकार द्वारा किया जाकर अग्रिम राशि रू. 6,00000/- (छः लाख रुपये) सौखी राम को भुगतान कर लिखित अनुबंध निष्पादित किया गया है तथा अनुबंधित भूमि का पंजीकृत विक्रय पत्र का शीघ्र ही निष्पादन होना है।

मेरे पक्षकार को ऐसी जानकारी लगी है कि भूमि स्वामी सौखीराम पिता मकूंद उक्त वर्णित भूमि में से अपने अंश को किसी अन्य व्यक्ति को विक्रय करने हेतु तत्पर है। इसलिये इस आम सूचना विदित हो कि कोई भी व्यक्ति उक्त वर्णित संपत्ति का सौदा सौखीराम पिता मकूंद से न करे, अन्यथा वह स्वयं जिम्मेदार होगा। इसके अतिरिक्त किसी व्यक्ति, बैंक शासकीय अथवा अशासकीय वित्तीय संस्थान को मेरे पक्षकार से हुए सौदे के संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन से 10 दिन के भीतर मेरे समक्ष लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करे। उक्त अवधि पश्चात् आपत्ति अमान्य होगी।

सूचना जानिये
भवदीय
के.जेड. अंसारी अधिवक्ता
अकबर खान चाल मिशन अस्पताल के सामने बिलासपुर (छ.ग.)

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित
समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
◆ हड्डी एवं जोड़ों का दर्द ◆ नसों का रोग ◆ मानसिक रोग
◆ त्वचा एवं बालों का रोग ◆ स्त्री रोग ◆ मूत्र संबंधी रोग
◆ मधुमेह (डायबिटीज़) ◆ नेत्र रोग ◆ किडनी संबंधी रोग
◆ पेट संबंधी विकार ◆ थायराइड मांसपेशी का रोग
◆ अस्थमा ◆ मोटापा ◆ मल द्वार रोग विशेषज्ञ
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
सेक्टर -7 B कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
सिटी सेन्टर- कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
भिलाई सेन्टर-नेहरू नगर (पूर्व), एसबीआई बैंक के पास, भिलाई(छ.ग.) 95224 66605

BHASKAR EYE CARE
भास्कर आई केयर
कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नहीं होता!
प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार

डॉ. दिलीप लालवानी
नेत्र रोग विशेषज्ञ
फेको सर्जन एवं ग्लूकोमा विशेषज्ञ
MOORFIELDS EYE HOSPITAL, LONDON
ARAVIND EYE HOSPITAL, COIMBATORE
लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज
EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST

निरंकारी सत्संग भवन के पास, हिंद स्पोर्टस् फुटबॉल ग्राउंड के पास, ईदगाह भाठा, रायपुर (छ.ग.) 07714024989 | 9329124989

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777
मूत्र रोग एवं सर्जरी
किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
यौन संबंधी समस्याएं
महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं

DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery
आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

खबर संक्षेप

एसएसपी ने बांटे 120 चेतना यातायात मितान को सुरक्षा किट

बिलासपुर। एसएसपी रजनेश सिंह के दिशा निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामगोपाल करियारे के पर्यवेक्षण में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों को यातायात नियमों तथा ट्रैफिक अनुशासन के संबंध में लगातार जागरूक किया जा रहा है। साथ ही यातायात पुलिस के साथ सहयोगी बनकर सड़कों पर सुरक्षित, सुव्यस्थित एवं सुचारू आवागमन के लिए सुरक्षा मानकों एवं मापदंडों का पालन कर नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करने प्रेरित किया जा रहा है। मंगलवार को यातायात पुलिस द्वारा जिले के सभी प्रकार के मार्गों के नजदीक निवास करने वाले नागरिकों में 120 नागरिकों को चिन्हित कर प्रारंभिक चरण में उन्हें चेतना यातायात मितान के रूप में चयनित किया गया है। सड़क दुर्घटना पर त्वरित रेस्क्यू एवं सहायता उपलब्ध कराने हेतु तात्कालिक बचाव के उपाय के संबंध में प्रशिक्षित की गई है।

स्कूल की छात्राओं ने जाना साइबर अपराध से बचना

बिलासपुर। कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पचपेड़ी में एसएसपी एवं एडिशनल एसपी ग्रामीण मैडम मधुलिका सिंह के दिशा निर्देश पर 15 जुलाई तक तक साइबर अपराध पर रोक एवं साइबर पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही पाक्सो एक्ट यातायात नियम के बारे में बताया जा रहा है ताकि ग्रामीण एरिया में एक्सीडेंट की घटनाएं कम हो साथ ही हेलमेट लगाकर चलने शराब पीकर वाहन नहीं चलाने संबंधी जानकारी दी जा रही है।

रतनपुर से अमरकंटक तक तीन पैकेज में बनाई जा रही सड़क

140 करोड़ की केंवची-कारीआम सड़क पर भ्रष्टाचार की दरारें नजर आने लगीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

लोक निर्माण विभाग के नेशनल हाईवे डिवीजन के द्वारा केंवची से कारीआम के बीच 140 करोड़ की लागत से बनाई जा रही सड़क पर भ्रष्टाचार की लंबी-लंबी दरारें नजर आने लगी हैं। हैरत की बात यह है कि अभी यह सड़क निर्माणाधीन है, और एक सिरे से जहां इसका निर्माण जारी है, वहीं दूसरे सिरे से इस पर मोटी दरारें पड़नी शुरू हो चुकी हैं।

- **अभी पूरा भी नहीं हुआ निर्माण, पड़ने लगी बड़ी दरारें**

केंवची से कारीआम के बीच पैंतीस किलोमीटर लंबाई में बनाई जा रही सड़क अपनी निर्माणाधीन स्थिति में ही फटने लगी। सड़क का डामरीकरण किया जा चुका था, जिसमें इतने चौड़े क्रेक आ चुके हैं, जिसमें किसी भी व्यस्क आदमी का पैर आसानी से समा सकता है। सड़क का निर्माण कलकत्ता की सत्या बिल्डर्स श्याम इंफ्रा नामक कंपनी के द्वारा किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने भले ही ठेकेदार के द्वारा पुलिया के आसपास प्रोटेक्शन वर्क करने के पहले ही डामरीकरण कर देने के कारण यह स्थिति निर्मित होने की बात कही जा रही हो, लेकिन 140 करोड़ की लागत वाली सड़क का कई जगहों पर बनते-बनते ही उखड़ना व डामर की कमी से सड़क की सतह पर उभरी हुई गिट्टी कुछ और ही कहानी कह रही है।

क्या इसीलिए परेशान होती रही क्षेत्र की जनता

अमरकंटक छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का एक बहुचर्चित धार्मिक व पर्यटन स्थल है। नर्मदा नदी का उद्गम स्थल होने के कारण यहां बड़ी संख्या में पर्यटकों का आना-जाता होता है। पीडब्ल्यूडी के द्वारा रतनपुर से अमरकंटक के बीच बनाई जा रही सड़क लगभग एक साल पहले से बनाई जा रही है। इस सड़क का निर्माण तीन पैकेजों में हो रहा है, जिससे सड़क पर सुलभ आवागमन काफी कठिन है। हालत यह है कि दो घंटे का सफर लोगों को पांच से छह घंटे में पूरा करना पड़ रहा है। इसके बाद भी लोग सड़क निर्माण हो जाने के बाद राहत मिलने की उम्मीद में कभी रास्ता बदलकर तो कभी इसी रास्ते से परेशान होते हुए भी आवागमन कर रहे हैं। ऐसे में ठेकेदार अगर ऐसी गुणवत्ताहीन सड़क बनाकर दें, जो बनते-बनते ही उखड़ने लगे तो क्षेत्र की जनता की कुर्बानी व्यर्थ ही है।

सचिव की फटकार भी बेअसर

बीते महीने प्रदेश के लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश बंसल ने रतनपुर-अमरकंटक सड़क का मौके पर जाकर मुआयना किया था। इस दौरान उन्हें सड़क पर कई खामियां नजर आई थीं। कुछ खामियां तो गुणवत्ता को लेकर भी थीं, जिस पर गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए सचिव ने न केवल ठेकेदार को तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए थे, बल्कि विभाग के अधिकारियों को सड़क की गुणवत्ता में सुधार होने तक संबंधित ठेकेदार का भुगतान रोकने के निर्देश भी दिए थे। हैरत की बात यह है कि सचिव की गहरी नाराजगी व्यक्त करने के बाद भी अगर अधिकारियों की देखरेख में ठेकेदार ऐसी सड़क बना रहे हैं तो उच्चाधिकारियों की गैर मौजूदगी में सड़क की गुणवत्ता कैसी होती?

सुधार कराया जाएगा

पुलिया के पास प्रोटेक्शन वर्क होने के पहले ही ठेकेदार ने डामरीकरण कर दिया था। ठेकेदार को ऐसा करने से मना भी किया गया था। रोड में तीन से चार पुलिया पर ऐसी स्थिति निर्मित हुई है। हालांकि कुल नुकसानी की बात की जाए तो 50 मीटर सड़क ही प्रभावित हुई है, जो उखाड़नी पड़ेगी। अभी यह सड़क निर्माणाधीन है। ठेकेदार का अभी पांच से छह करोड़ का भुगतान लंबित भी है, जिससे कोई दिक्कत नहीं है। सड़क पर सुधार करवा लिया जाएगा।

-आरके खांबरा, ईई
पीडब्ल्यूडी एनएच डिवीजन

एयरपोर्ट के लिए संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री से मांगी राशि

विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने मदद का भरोसा दिलाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति के सदस्यों ने विधानसभा का दौरा कर बिलासा एयरपोर्ट के रनवे विस्तार, नए टर्मिनल भवन विकास के लिए फंड स्वीकृत के लिए सघन अभियान चलाया। समिति ने सीएम विष्णु देव साय से भी मुलाकात कर फंड की मांग की। हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने आज विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह से मुलाकात की और बिलासपुर एयरपोर्ट के विकास के लिए उनसे भी समर्थन मांगा।

समिति के प्रतिनिधि मंडल ने बस्तर और सरगुजा संभाग के नेताओं से भी समर्थन मांगा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव और मंत्री केदार कश्यप और राम विचार नेताम से भी कहा कि राज्य के बिलासपुर अंबिकापुर और जगदलपुर तीनों ही एयरपोर्ट का विकास में साथ दें। इसके अलावा हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के मुख्य सचिव विकास शील और वित्त मंत्री ओपी चौधरी से मुलाकात कर ज्ञापन सौपा और एयरपोर्ट रनवे विस्तार के लिए 100 करोड़ रुपए स्वीकृत की मांग की गई। इस सिलसिले में राज्य के उपमुख्यमंत्री अरुण साव विधायक अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह,सुशांत शुक्ला, अटल श्रीवास्तव, दिलीप लहरिया से भी मुलाकात की गई। प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से विशेष रूप से विधानसभा में बिलासा एयरपोर्ट का मुद्दा उठाने की मांग की गई है। प्रतिनिधिमंडल ने बोइंग और एयर बस विमान के उतरने के लिए कम से कम 2200 मीटर का रनवे होने की जानकारी दी और टर्मिनल भवन छोटा होने के कारण 300 यात्रियों को होने वाली परेशानियों के बारे में ध्यानाकर्षण कराया है। इस दौरान रामशरण यादव, महेश दुबे, समीर अहमद, प्रकाश बहरानी, मजहर खान, आशुतोष शर्मा,सुदीप श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

महिला संचालित डिस्पेंसरी ने मनाई वर्षगांठ

बिलासपुर। महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में एसईसीएल में शुरू की गई कोल इंडिया की प्रथम पूर्णतः महिला संचालित डिस्पेंसरी, एसईसीएल के वसंत विहार डिस्पेंसरी ने अपनी स्थापना का एक वर्ष सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। इस अवसर पर आयोजित प्रथम वर्षगांठ समारोह में एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) हरीश दुहन मुख्य अतिथि ने

कार्यक्रम का शुभारंभ केक काटकर किया। समारोह में वसंत विहार डिस्पेंसरी की समस्त महिला चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी, इंदिरा हेल्थ सेंटर के चिकित्सक तथा अन्य चिकित्सा कर्मी उपस्थित रहे। विगत एक वर्ष से यह डिस्पेंसरी पूर्णतः महिला चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है तथा कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है। इस अवसर पर सीएमडी हरीश दुहन ने कहा कि कोल इंडिया की प्रथम पूर्णतः महिला संचालित डिस्पेंसरी एसईसीएल के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में अपनी क्षमता, नेतृत्व और कार्यकुशलता का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं तथा यह पहल संगठन में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस डिस्पेंसरी को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित करने की परिकल्पना के साथ एसईसीएल निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा सेवाएं डॉ. श्रुति देव मिश्रा, उप मुख्य चिकित्सा सेवाएं डॉ. अरिहंत जैन, उप चिकित्सा अधीक्षक एवं वसंत विहार डिस्पेंसरी प्रभारी डॉ. नाज़िया मोहम्मदी सहित वसंत विहार डिस्पेंसरी एवं इंदिरा हेल्थ सेंटर के चिकित्सक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान उपस्थित सभी चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने भविष्य में भी समर्पण एवं उत्कृष्टता के साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का संकल्प दोहराया।

जर्जर स्कूल भवनों में नहीं लगेगी कक्षाएं, पीएचई अफसर पर जताई नाराजगी

बिलासपुर। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर कलेक्टर ने अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किया है कि जर्जर स्कूल भवनों में किसी भी स्थिति में कक्षाएं संचालित नहीं की जाएगी। वहीं कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में उन्होंने पीएचई के कार्यपालन अभियंता को कारण बताओ (शो-कॉज) नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। दिए है।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा (टीएल) बैठक में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं विकास कार्यों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनहित के मामलों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी विभाग समयसीमा का कड़ाई से पालन करें। बैठक में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण की समीक्षा के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने कार्यपालन अभियंता को कारण बताओ (शो-कॉज) नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने जिले की एकल शिक्षकीय शालाओं में शीघ्र अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए। नए भवन अथवा अतिरिक्त कक्षों के निर्माण के प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत करे कलेक्टर ने जर्जर स्कूल भवनों में किसी भी स्थिति में कक्षाएं संचालित नहीं करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ऐसे विद्यालयों के लिए तत्काल वैकल्पिक भवनों की व्यवस्था की जाए तथा नए भवन अथवा अतिरिक्त कक्षों के निर्माण के प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत किए जाएं।

भाटापारा-हथबंद के बीच ट्रेनें प्रभावित रहेंगी 18-19 को

बिलासपुर। भाटापारा से हथबंद के बीच तीसरी लाइन में अधोसंरचना व अन्य कार्यों के लिए ब्लॉक 18 और 19 जुलाई को लिया जाएगा। इसके कारण बिलासपुर-रायपुर के साथ रायपुर से कोरबा के बीच ट्रेनों के पहिए रूकने से हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

बिलासपुर से रायपुर के बीच अभी भी कई सेक्शनों में आटो सिग्नलिंग सहित अन्य कार्य पूरा नहीं होने से ट्रेन परिचालन में काफी परेशानी हो रही है। इस सेक्शन में तीसरी लाइन के साथ चौथी लाइन के लिए भी अलग-अलग चरणों में राशि स्वीकृत हो गई है, जिस कार्य के लिए आपरेटिंग विभाग से यात्री ट्रेनों को रद्द करने की भी योजना बनाई गई है। वर्तमान में एसईसीआर बिलासपुर जोन अंतर्गत रायपुर मंडल के भाटापारा से हथबंद स्टेशन के बीच तीसरी लाइन सेक्शन में आटो सिग्नलिंग हेतु नान इंटरलाकिंग कार्य करने का निर्णय लिया गया है। इस कार्य के दौरान बिलासपुर से रायपुर के बीच लोकल ट्रेनों का परिचालन 19 जुलाई को रद्द करने का आर्डर जारी किया गया है। 19 जुलाई को 68728 रायपुर से बिलासपुर के बीच चलने वाली मेमू पैसेंजर, 68734 बिलासपुर से गेवरारोड के बीच चलने वाली मेमू पैसेंजर, 68733 गेवरारोड से बिलासपुर के बीच चल रही मेमू पैसेंजर, 18 एवं 19 जुलाई को 68719 बिलासपुर-रायपुर मेमू पैसेंजर, 58203 कोरबा से रायपुर के बीच चलने वाली मेमू पैसेंजर, 58204 रायपुर-कोरबा पैसेंजर, 18 जुलाई को 68746 रायपुर-गेवरारोड मेमू पैसेंजर और 19 जुलाई को 68745 गेवरारोड से रायपुर के बीच चल रही मेमू पैसेंजर के पहिए थमेंगे। वहीं 18 और 19 जुलाई को गोंदिया से चलने वाली 68861 गोंदिया-झारसुगुड़ा पैसेंजर मेमू पैसेंजर को बिलासपुर स्टेशन में समाप्त करने के बाद गोंदिया व बिलासपुर के बीच, झारसुगुड़ा से चलने वाली 68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू पैसेंजर को बिलासपुर में समाप्त करने के बाद बिलासपुर से गोंदिया के बीच रद्द की जाएगी। रेल प्रशासन अधोसंरचना व अन्य कार्यों के लिए एक्सप्रेस और सुपरफास्ट के साथ लोकल एवं पैसेंजर ट्रेनों को रद्द कर देती है। लोकल और पैसेंजर ट्रेनें ऐसी हैं, जिसमें प्रतिदिन छोटे स्टेशनों के साथ हजारों की संख्या में ग्रामीण रोजी-मजदूरी के लिए शहर की ओर आना-जाना करते हैं।

सीयूः सीटों की कमी, मनचाहे विषयों से वंचित हो रहे स्टूडेंट्स

बिलासपुर। गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति अंतर्गत संचालित पाठयक्रमों के चयन में अव्यवस्था सामने आई है। सीमित सीटों के साथ-साथ तकनीकी खामियों ने स्टूडेंट्स की परेशानी और बढ़ा दी है।

गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी में बीबीए तृतीय सेमेस्टर के स्टूडेंट्स व्यवस्था को लेकर नाखुश हैं। इन छात्रों के अनुसार कि तकनीकी समस्या के चलते उन्हें लगभग तीन घंटे तक विषय चयन का कोई विकल्प ही दिखाई नहीं दिया। वहीं बाद में जब विकल्प उपलब्ध हुआ तब तक अधिकांश पाठयक्रम भर चुके थे और केवल चुनिंदा विषय ही शेष रह गए थे। ये विषय छात्रों के रूचि एवं शैक्षणिक आवश्यकता के अनुरूप नहीं थे। छात्रों ने बताया कि इस प्रकार की त्रुटिपूर्ण व्यवस्था के कारण उन्हें मजबूरी में अनुउपयुक्त विषयों का चयन करना पड़ रहा है, जिससे उनकी पढ़ाई की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। वर्तमान स्थिति यह दर्शाती है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बहुविषयक शिक्षा के उद्देश्य का क्रियान्वयन सही ढंग से नहीं हो पा रहा है। इस संबंध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद यूनिवर्सिटी इकाई मंत्री प्रसून पाठक का कहना है कि यह समस्या लगभग प्रत्येक सत्र में देखने को मिलती है। कई ऐसे पाठयक्रम हैं जिनमें स्टूडेंट्स की रूचि अधिक होती है, किन्तु सीटों की संख्या सीमित होने के कारण अधिकांश छात्र अपने इच्छित विषय से वंचित रह जाते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा एक व्यावहारिक योजना तैयार की गई है, जिसके अंतर्गत अधिक मांग वाले पाठयक्रमों में सीटें बढ़ाकर सेक्शनवार कक्षाओं का संचालन किया जाए। इसके साथ ही शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए आनलाइन एवं आफलाइन दोनों माध्यमों का समन्वय किया जाए। इसके तहत आनलाइन कक्षाओं के लिए यूनिवर्सिटी परिसर में ही स्मार्ट कक्ष निर्धारित किए जाएं, जहां एक समूह आफलाइन कक्षा में अध्ययन करें, जबकि दूसरा समूह उसी समय स्मार्ट कक्ष के माध्यम से कक्षा से जुड़ा रहें। इस प्रस्तावित व्यवस्था से अधिकतम स्टूडेंट्स को उनके वांछित पाठयक्रमों में अध्ययन का अवसर मिल सकेगा।

कर्नल्स एकेडमी के दो अभ्यर्थी अग्निवीर परीक्षा में सफल

एजुकेशन प्लस

बिलासपुर। कर्नल्स एकेडमी ऑफ रेडिएंट एजुकेशन स्कूल मंगला ने अग्निवीर परीक्षा में दर्ज की शानदार सफलता। इस संबंध में कर्नल्स एकेडमी ऑफ रेडिएंट एजुकेशन स्कूल, मंगला ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अग्निवीर लिखित परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।

संस्थान के 4 अभ्यर्थियों ने अग्निवीर भर्ती परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से 2 अभ्यर्थी सफल रहे। इस प्रकार संस्थान ने 50% चयन का उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किया, जो हमारी गुणवत्तापूर्ण

प्रशिक्षण व्यवस्था, अनुशासित वातावरण एवं विद्यार्थियों की मेहनत का प्रमाण है। सफल अभ्यर्थियों में लालजी चंद्राकर, सुयश शर्मा शामिल हैं। यह सफलता संस्थान के लिए गौरव का विषय है। इस आगे बढ़ाते हुए कर्नल्स एकेडमी स्कूल में अग्निवीर भर्ती की विशेष प्रशिक्षण कक्षाएँ शीघ्र प्रारंभ की जा रही हैं। इन कक्षाओं में लिखित परीक्षा, फिजिकल टेस्ट, मेडिकल परीक्षा तथा संपूर्ण भर्ती प्रक्रिया की विशेषज्ञों द्वारा तैयारी कराई जाएगी।

इस मौके पर डायरेक्टर डॉक्टर गीता त्रिपाठी, मैनेजिंग डायरेक्टर कैप्टन आरके त्रिपाठी और सेक्रेटरी आशीष राज त्रिपाठी एवं संस्थान के समस्त स्टाफ सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दी है।

मां के नाम लगाए पौधे

बिलासपुर। श्री श्री 1008 सत्यनाराया बाबा के जन्मदिन पर पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने माता उर्मिला बाई अग्रवाल के नाम पर दानवीर भामाशाह भवन परिसर चकरभाठा में पौधरोपण किया।

खबर संक्षेप

घायल बुजुर्ग कैदी की इलाज के दौरान मौत

बिलासपुर। सेंट्रल जेल में बंद घायल बुजुर्ग कैदी गिर गया। इलाज के दौरान हास्पिटल में उसकी मौत हो गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। सिविल लाइन टीआई किशोर केंवट ने बताया कि तिफरा निवासी सोखराम साहू 76 साल हत्या के मामले में केंद्रीय जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। 13 जुलाई की देर रात जेल के अस्पताल के बाथरूम के पास पैर फिसल जाने से वह गिरकर घायल हो गया। उसे इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया था। 14 जुलाई को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मृत्यु के कारणों का खुलासा हो पाएगा। पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है।

सट्टा खिलाने वाला फरार खाईवाल गिरफ्तार

बिलासपुर। आनलाइन सटटा खिलाने के मामले में फरार

खाईवाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाली टीआई देवेश सिंह राठौर ने बताया कि पूर्व में एक सटोरिया को आनलाइन गेम में सट्टा खिलाते पकड़ा गया था। उससे खुलासा हुआ कि वह गनियारी निवासी ललित वर्मा पिता जियालाल वर्मा 26 साल के लिए कमिशन पर सट्टा खिला रहा था। पुलिस उसकी तलाश में लगी हुई थी। मंगलवार को पुलिस ने खाईवाल ललित वर्मा को गिरफ्तार कर लिया है।

विशेष अभियान में 10 वारंटी गिरफ्तार

बिलासपुर। पुलिस ने अभियान चलाकर फरार 10 वारंटियों को पकड़ कर कोर्ट में पेश कर दिया है। तोरवा टीआई रजनीश सिंह ने स्टाप के साथ विशेष अभियान चलाकर फरार वारंटी चेतन नाग देवरीखुर्द, मनमोहन साहू लालखदान, श्रवण रजक महमंद, रोहित प्रधान पुराना पावर हाउस, कुश कुमार यादव देवरीखुर्द, भारती सूर्यवंशी तोरवा, राधे निषाद देवरीडीह, मनराखन विश्वकर्मा बुधवारी बाजार, रोहित ध्रुव देवरीखुर्द, सुमीत सिंह देवरीडीह निवासी को पकड़कर कोर्ट में पेश किया है।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

बिलासपुर। चकरभाठा थाना क्षेत्र के हिर्री माइंस चौक पर रविवार रात हुए भीषण सड़क हादसे में तेज़ रफ्तार कार ने पहले स्कूटी सवार को जोरदार टक्कर मारी, फिर दूसरी खड़ी स्कूटी को उछालते हुए सड़क किनारे स्थित दुकान में जा घुसी। हादसे में स्कूटी सवार देवेंद्र शर्मा उर्फ दादा महाराज 45 वर्ष निवासी रहंगी की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार देवेंद्र शर्मा साप्ताहिक सब्जी बाजार से खरीदारी कर स्कूटी से घर लौट रहे थे। वे हिर्री माइंस चौक पर सड़क पार कर रहे थे, बिलासपुर की ओर से आ रही तेज़ रफ्तार अनियंत्रित कार ने उन्हें टक्कर मार दी। वे गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घायल करीब 25 मिनट तक सड़क पर तड़पता रहा। लोगों ने डायल-112 और एंबुलेंस को सूचना दी, लेकिन समय पर सहायता नहीं पहुंची। बाद में स्थानीय लोगों ने निजी कार से उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि कार एक राइस मिल संचालक के 23 वर्षीय युवक द्वारा चलाई जा रही थी, जो हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त स्कूटियों को जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

खस्ताहाल निगम — अपनी दवाइयों और राशन जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए भी उधार लेना पड़ रहा

500 रुपए पेंशन देने के लिए भी फंड नहीं, साल भर से भटक रहे 32 हजार बुजुर्ग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

नगर निगम की हालत खस्ताहल होती जा रही है। हाल यह है कि 500-1000 रुपए दी जाने वाली पेंशन राशि के लिए भी निगम के पास पैसे नहीं है।

शासन से बजट नहीं होने का हवाला जरूर दिया जा रहा है लेकिन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत मिलने वाली पेंशन राशि पिछले साल भर से अटकी हुई है। इससे हजारों जरूरतमंदों को गंभीर आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बुजुर्ग, विधवा और दिव्यांग पेंशनधारी अपनी दवाइयों और राशन जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए पूरी तरह इस राशि पर निर्भर रहते हैं, लेकिन भुगतान न होने के कारण अब उनके सामने जीवन यापन का संकट खड़ा हो गया है। जिले में कुल 32 हजार 52 हितग्राही है जिन्हें विभिन्न योजनाओं के तहत पेंशन मिलता है। जानकारी के मुताबिक निगम क्षेत्र में केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत इन्हें पेंशन मिलती है लेकिन पिछले साल भर महीने से एक भी किश्त नहीं मिली है। पेंशनधारियों का कहना है कि इसी राशि से वे अपना इलाज कराते हैं और घर के छोटे-मोटे खर्च पूरे करते हैं। महीनों से पैसा नहीं मिलने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति पूरी तरह डगमगा गई है।

- शासन से बजट नहीं मिलने का हवाला

योजना का नाम	पेंशनधारी
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना (60 वर्ष)	357
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना (80 वर्ष)	5762
इंदिरा गांधी विकलांग पेंशन योजना	91
सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना	6924
सुखद सहारा पेंशन पेंशन योजना	7682
नवीन मुख्यमंत्री पेंशन योजना	1577

केंद्र और राज्य से फंड मिलने में देरी

निगम की नोडल अधिकारी रेणुका पिंगले ने बताया कि केंद्र और राज्य दोनों ही स्तरों से फंड जारी होने में देरी हो रही है। इसी तकनीकी कारण और बजट की कमी की वजह से वितरण बाधित हुआ है। दूसरी ओर हितग्राही नगर निगम के चक्कर लगाकर थक चुके हैं, जहां उन्हें केवल आश्वासन देकर वापस भेज दिया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह स्थिति सिर्फ बिलासपुर ही नहीं प्रदेश भर के सभी जिलों और नगर निगमों की है। फंड की मांग के लिए कई बार पत्र भेजा जा चुका है। जल्द ही राशि मिलने की उम्मीद है जिसके बाद हितग्राहियों को आबंटित कर दी जाएगी।

हर महीने 2 करोड़ की मिलती है राशि

निगम अधिकारियों के मुताबिक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत मिलने वाली पेंशन राशि हर महीने करीब दो करोड़ रुपए की होती है। इसमें किसी योजना में 500 तो किसी में एक हजार मिलता है। एक दो योजनाओं में 650 रुपए की सहायता राशि भी जाती है। निगम की उप नेता प्रतिपक्ष श्रीमती संतोषी रामा बघेल ने कहा है कि फंड की कमी से शहर में विकास कार्य भी प्रभावित हो रहें हैं। राज्य सरकार पेंशन तक नहीं दे पा रही है, ऐसे में हितग्राहियों को छोटी जरूरतों के लिए भी परेशान होना पड़ रहा है।

जल्द होगा भुगतान

इनमें से कई योजनाएं ऐसी हैं, जिनमें केंद्र से फंड नहीं मिल रहा है। वहीं कुछ योजनाओं का पैसा राज्य से नहीं आ रहा है। हमने पत्र भी लिखा है, जैसे ही निगम में फंड आएगा, पेंशनधारियों को उनकी राशि बांट दी जाएगी।

– श्रीमती पूजा विधानी, महापौर

सुबह 9 बजे से ड्यूटी टाइम में भी देर से पहुंचते हैं अधिकांश डॉक्टर

बिल्हा अस्पताल: शाम की 1 घंटे की ओपीडी, 14 में से 13 डॉक्टर नदारद

कोमल सिंह ⏭ बिलासपुर

बिल्हा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की हालत बेहद खराब है, डाक्टरों की पदस्थापना के बाद भी मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल रहा है। हालत यह है कि शाम के समय एक घंटे की ओपीडी लगाई गई है, 14 डाक्टर अस्पताल में पदस्थ है लेकिन आपातकालीन को छोड़ किसी भी ओपीडी में डाक्टर मौजूद नहीं रहते है। वहीं यहां के भर्ती मरीजों को भी भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है। डाक्टर के गैर मौजूदगी का फायदा उठाकर स्टाफ नर्स भी अस्पताल छोड़ जाते है। ऐसे में बिल्हा में बनाए गए 100 बिस्तरों का अस्पताल महज खानापूर्ति कर रहा है।

- आधार आधारित अटेंडेंस को भी दे चुके हैं चकमा

खास खबर

बिल्हा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र।

हरिभूमि की टीम को देखते ही डॉक्टर ने सही किया रोस्टर।

बिल्हा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में डाक्टरों की लापरवाही चरम पर पहुंच गई है। इस मामले में पहले ही हाईकोर्ट ने संज्ञान लेकर आला अधिकारियों की क्लास लगाई थी, जिसके बाद महीनों तक मरीजों को इलाज मिलता रहा लेकिन अब स्थिति फिर जस की तस हो चुकी है। मंगलवार की शाम 5 बजे से अस्पताल के सभी ओपीडी बंद मिले, बताया जा रहा है कि रोजाना एक घंटे के लिए ओपीडी लगाई जाती है, जिससे सुबह के साथ ही शाम को भी मरीजों को देखा जा सके लेकिन 14 में से 13 डाक्टर नदारद रहे। इस दौरान आर्थोपेडिक, शिशु रोग, स्त्री रोग, डेंटल जैसे ओपीडी में ताला लटका रहा। महिला व पुरूष सर्जरी वार्ड में एक भी मरीज भर्ती नहीं किया गया है, साथ ही स्त्रीरोग विभाग में डिलीवरी के बाद 3 मरीजों को रखा गया है। लेकिन इन मरीजों की देख भी महिला डाक्टर मौजूद नहीं थी। यहां भर्ती मरीज भी भगवान भरोसे ही है।

इन डॉक्टरों की है पदस्थापना

डॉक्टर के चेंबर में खाली कुर्सी।

डॉ अजय पंडया- हड्डी रोग,
डॉ पंकज साहू- हड्डी रोग,
डॉ मनमीत तवाइत- शिशुरोग
डॉ दिनेश चौहान- शिशुरोग,
डॉ गीता प्रधान- स्त्री रोग,
डॉ निकिता कंवर- स्त्रीरोग,
डॉ नेहा कश्यप- दंत रोग,
डॉ एआर बंजारे- एमबीबीएस,
डॉ हिमांशी पांडेय- बॉड,
डॉ अदिति गरेवाल- एमबीबीएस,
डॉ प्रभात प्रभाकर- एमबीबीएस,
डॉ ओर आर बर्मन-एमबीबीएस
डॉ श्याम सोनी - एमबीबीएस,
डॉ नितेश साहू- एमबीबीएस

बीएमओ और अधीक्षक दोनों गायब

जिन डाक्टरों को अस्पताल के संचालन की जिम्मेदारी है वे भी नदारद है। ऐसे में अधीनस्त डाक्टरों के लापरवाह होने में कोई शक नहीं हो सकता है। मीटिंग के चलते बीएमओ डॉ एस के गुप्ता जिला कार्यालय गए थे, लेकिन यहां मीटिंग दोपहर 3 बजे से थी, जबकि डॉ गुप्ता सुबह से ही अस्पताल नहीं पहुंचें थे। वहीं अधीक्षक डॉ निकिता कंवर भी डबल ड्यूटी होने के कारण महज 1 घंटे के ओपीडी में नहीं पहुंच सकी थी।

बायोमेट्रिक अटेंडेस के साथ खिलवाड़

अहम बात यह है कि राज्य सरकार ने सभी अस्पताल व संस्थानों पर बायोमेट्रिक अटेंडेंस को अनिवार्य कर दिया है, जिससे डाक्टर व स्टाफ ड्यूटी समय पर उपस्थित हो सके लेकिन डाक्टर व स्टाफ ने बायोमेट्रिक अटेंडेंस को ही चकमा दे रहे हैं। सुबह 9 बजे से डाक्टरों की ड्यूटी लगाई जाती है, लेकिन कोई भी डाक्टर 10.30 से पहले नहीं पहुंचता है। वहीं 1 बजे हर हाल में डाक्टर अस्पताल छोड़ रहे है।

पुराना ड्यूटी रोस्टर मिला

अस्पताल में लापरवाही का आलम यह है कि ड्यूटी रोस्टर चार्ट भी 6 दिन पुराना मिला, आपातकालीन कक्ष के बाहर लगे ड्यूटी रोस्टर चार्ट में 9 जुलाई की तारीख लिखी गई थी, जिससे मालूम होता है कि डाक्टर और स्टाफ नर्स अपने कर्तव्य का किस तरह से पालन कर रहे है। डाक्टरों के नहीं होने के कारण स्टाफ नर्स और अन्य अस्पताल स्टाफ भी नदारद मिला। जब इस बारे में डॉ बंजारे से पुछताछ की गई तब उन्होंने स्वयं ही चार्ट बदलने के लिए मार्कर उठा लिया और अपना नाम स्वयं ही लिखने लगे। आपात कालीन में लगे डॉक्टर को पुलिसिया मुलाहिजा और ओपीडी में आने वाले मरीजों को भी देखना पड़ रहा है, जिसके चलते उन्हें परेशानी होती है।

डॉक्टरों से पूछ कर बता सकूंगा

जिला कार्यालय में मीटिंग रखी गई थी, इस दौरान मुझे वहां जाना था, इसलिए शाम के ओपीडी में कौन डाक्टर आया है और कौन नहीं इसकी जानकारी नहीं है। डाक्टरों से पूछ कर बता सकूंगा। कई बार डॉक्टरों को अन्य जगहों पर ड्यूटी करनी पड़ती है।

-डॉ एस के गुप्ता, बीएमओ, बिल्हा

एक डाक्टर 24 घंटा मौजूद रहेगा

कुछ डाक्टरों की ड्यूटी लगाई गई है। आपातकालीन में एक डाक्टर 24 घंटा मौजूद रहेगा। ओपीडी एक घंटे की है तो डाक्टरों को आने में दिक्कत नहीं होनी चाहिए। जिला अस्पताल में एक डाक्टर को अटैच किया गया है लेकिन बाकी तो आ ही सकते हैं।

-डॉ शुभा गरेवाल, सीएमएचओ

मालगाड़ी के वैगन को बेपटरी करने वाले पकड़े गए आरोपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

कोटा में मालगाड़ी के वैगन को बेपटरी करने वाले आरोपियों को आरपीएफ की टीम ने पकड़ लिया है। आरपीएफ ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां सभी को जेल भेज दिया गया है।

सोमवार सपुर रेल मंडल में मालगाड़ी डिरलमेंट की एक और घटना से जोन और डिवीजन स्तर पर हड़कंप मच गया था। दोपहर 2 बजकर 20 मिनट पर अनूपपुर, पेण्ड्रारोड से बिलासपुर आ रही खाली मालगाड़ी के तीन वैगन करगीरोड कोटा के प्लेटफार्म नम्बर दो डाउन लाइन नम्बर तीन पर बेपटरी हो गए। मालगाड़ी के कोटा स्टेशन पहुंचने से पहले चालक ने देखा कि आगे लाइन पर एक जेसीबी मशीन की बकेट पड़ी हुई थी। इसे देखने के बाद लोको पायलट ने तत्काल इमरजेंसी ब्रेक लगाया, ताकि ट्रेन को रोका जा सके। बाकेट और ट्रेन की दूरी कम होने की वजह से इमरजेंसी ब्रेक लगाने के बावजूद मालगाड़ी के सामने का हिस्सा टकरा गया। इसकी वजह से इंजन के पीछे लगा पहला, तीसरा और छठवें नम्बर का वैगन पटरी से उतर गया। सूचना मिलने के बाद बिलासपुर रेल मंडल के अधिकारी और कर्मचारी के साथ एआरटी की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। अफसरों ने बेपटरी हुए वैगन को लाइन पर लाने का काम शुरु कराया। इस दौरान बिलासपुर से अनूपपुर के बीच अप और मीडिल लाइन पर ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहा। वहीं प्रारंभिक जांच में रेल लाइन पर जेसीबी की बकेट पड़े होने की वजह से दुर्घटना की आशंका व्यक्त की गई। घटना के बाद मामले की जांच करने का आदेश रेलवे सुरक्षा बल को दिया गया था। आरपीएफ ने जांच में पाया कि जेसीबी बाकेट को इंदौर से करगीरोड तक 18233 इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस के ए 1 कोच अटेंडेंट के माध्यम से दिया गया था। कोच अटेंडेंट ने प्रायवेट ठेकेदार करपा अनूपपुर निवासी पवन नायक के मांगने पर बाकेट को लाया था। सामान का वजन अधिक होने के कारण करगीरोड स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर दो पर उतारा गया। इसके बाद प्लेटफार्म नम्बर एक की ओर सामान को ले जाते समय मजदूरों ने मालगाड़ी को आते हुए देखा और जेसीबी बाकेट को ट्रैक पर छोड़ दिया, जिसके कारण मालगाड़ी के तीन वैगन बेपटरी हो गए थे। इस मामले में आरपीएफ उसलापुर की टीम ने डिंडौरी मध्यप्रदेश निवासी कमलेश टेकाम उर्फ मुन्ना पिता दयाराम 25 साल, नरहर सिंह उर्फ पिंटू पिता रघुवर सिंह 35 वर्ष, देवा सिंह उर्फ मुन्ना पिता दुक्कू सिंह 38 साल, बुद्दू सिंह पिता गोगल सिंह 49 साल, छत्रपति मरावी पिता हीरालाल मरावी 32 साल, लोकेश मंडावी पिता कुशल मांडवी 19 साल, अनुराग मरावी पिता सुभाष मरावी 31 साल, जेसीबी बाकेट मंगाने वाला अभिषेक यादव पिता पप्पू यादव 21 साल, कोच अटेंडेंट मोहम्मद शमीर पिता मोहम्मद सलीम 24 साल और अमित यादव पिता जयप्रकाश यादव 23 साल को पकड़कर न्यायालय में पेश किया। कोर्ट ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया है। वहीं एक आरोपी प्रायवेट ठेकेदार पवन नायक अब तक फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

- उसलापुर आरपीएफ की टीम ने की कार्रवाई, सभी आरोपी भेजे गए जेल

बिलासपुर से इंदौर तक सीसी टीवी चेक

आरपीएफ ने बिलासपुर से इंदौर स्टेशन के बीच आने वाले सभी स्टेशनों में लगे सीसी टीवी फुटेज की जांच की। इसमें इंदौर रेलवे स्टेशन पर जेसीबी बाकेट को एसी कोच ए1 में चढ़ाया गया था। बिलासपुर स्टेशन में पहुंचकर कोच अटेंडेंट को पकड़कर पूछताछ की गई। उसने इंदौर में सामान को चढ़ाने और करगीरोड कोटा में उतारने वाले व्यक्ति के नाम व मोबाइल नम्बर की जानकारी दी। इसके आधार पर आरपीएफ ने मोबाइल लोकेशन से अब तक 10 आरोपियों को पकड़कर रेलवे एक्ट के तहत कार्रवाई की।

चोर मचा रहे आतंक: तीन सूने मकानों से लाखों के जेवर, नकद ले उड़े

बिलासपुर। चोरों ने आतंक मचाते हुए तीन सूने मकानों में धावा बोला। सोने चांदी के जेवर व नकद चोरी कर आसानी से भाग गए। रात्रि गश्त पर निकली पुलिस को भनक तक नहीं लगी। चोरी की वारदात ने रात्रि गश्त की पोल खोलकर रख दी है। पुलिस चोरों का सुराग नहीं लगा पाई है।

तारबाहर पुलिस के अनुसार, वायरलेश कालोनी निवासी पुष्पादेवी कौशल पति छेरकूराम 10 जुलाई को घर के दरवाजा में ताला लगाकर पति को इलाज कराने रायपुर एम्स चली गई थी। 13 जुलाई को वे वापस आई। रात्रि अधिक होने से बेटी दमाद के घर सिरगिट्टी चले गए थे। रात 8.30 बजे उनकी बेटी उवर्सी तोता को खाना देने उनके घर गई थी। खाना देने के बाद वह सिरगिट्टी घर लौट गई थी। 14 जुलाई की सुबह 10.30 बजे वे अपने पति एवं बच्चों के साथ अपने घर आए और ताला खोलकर अंदर गए तो हाल का खिड़की टूटा हुआ था और सामान बिखरे पड़े थे। आलमारी खुला था और लॉकर टूटा था। लॉकर में रखे सोने की चेन, सोने का मंगलसूत्र, अंगूठी, नथनी, टाप्स, चांदी की बिछिया, चांदी का सिक्का, कीचन से बर्तन व 50 हजार रुपए नकद चोरी हो गई थी।

छात्र के घर से 50 हजार की चोरी

कोटा पुलिस के अनुसार, पड़ावपारा निवासी रितेश कुमार ध्रुव पिता बलदाउ ध्रुव अपने चाचा बलराम सिंह ध्रुव के घर में अकेले रहकर बीए फाईनल की पढ़ाई करने के बाद खेती किसानी कर रहा है। 10 जुलाई घर के दरवाजे में ताला लगाकर झिंगटपुर चले गए थे। 13 जुलाई को वे वापस आए तो ताला टूटा मिला। आलमारी व पेटी में रखे 50 हजार रुपए नकद व जेवर चोरी हो गए थे।

सूचनातंत्र कमजोर

एसएसपी ने नकबजनी सहित गंभीर मामलों में अपराधियों के धरपकड़ के लिए एसीसीयू टीम में बल की संख्या बढ़ाया है किन्तु इसका असर दिखाई नहीं दे रहा है। सिलसिलेवार चोरी के बाद भी टीम के हाथ खाली है। सूचना तंत्र कमजोर होने के कारण चोरों के हौंसले बुलंद है और सूने मकानों को टारगेट बनाकर चोरी कर रहे है।

रिटायर्ड व्याख्याता के घर चोरों का धावा

चकरभाठा पुलिस के अनुसार, चकरभाठा कैम्प निवासी रिटायर्ड व्याख्याता खगेन्द्र कुमार तिवारी 12 जुलाई को दोपहर 12 बजे घर के दरवाजे में ताला लगाकर परिवार के साथ कोरबा बालको बेटे के घर चले गए थे। 13 जुलाई को शाम 6 बजे वे परिवार के साथ वापस आए तो घर का ताला टूटा मिला। आलमारी व पेटी में रखे सोने का हार, कंगन, अंगूठी, बालक, पायल, लोटा, गिलास, बिंदिया, सिंदूर डिब्बा, सिक्का, हीरे का अंगूठी, बाली, बर्तन, 1 लाख 10 हजार रुपए नकद हो गई थी।

चौकीदार के परिजन ने शव लेने से किया इनकार

बिलासपुर। चौकीदार की हत्या के मामले में दूसरे दिन परिजन सम्प्रेक्षण गृह के सामने 1 करोड़ रुपए मुआवजा, पत्नी बच्चे को नौकरी, जिम्मेदारों पर एफआईआर की मांग को लेकर परिजन धरना पर बैठे रहे। इधर पोस्टमार्टम के बाद परिजन ने शव लेने से इनकार कर दिया है। शव मरच्यूरी में रखा गया है।

12 जुलाई की रात संप्रेक्षण गृह के चौकीदार नरेन्द्र कुमार खाण्डे 42 साल की चार नाबालिगों ने टायलेट जाने के बहाने दरवाजा खुलवा कर मारपीट कर हाथ पैर को बांधकर मुंह में कपड़ा ठूंसने के बाद गला दबाकर हत्या कर दी। उसके बाद उसकी मोबाइल लेकर दीवार फांदकर भाग गए थे। इसमें रायपुर के 3 व कोरबा के 1 नाबालिग है। मृतक के पत्नी बच्चे संप्रेक्षण गृह प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कलेक्टर, एसएसपी से शिकायत की गई थी। दूसरे दिन भी परिजन सम्प्रेक्षण गृह के पास धरना पर बैठे रहे। उन्होंने पुलिस को लिखित में शिकायत कर मुआवजा व कार्रवाई की मांग की। सरकण्डा टीआई प्रदीप आर्या परिजन को समझाइश देते रहे कि किन्तु परिजन अपनी मांग पर अड़े हुए हैं। इधर मंगलवार को पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम करा दिया है। परिजन ने मांग पूरी नहीं होने तक शव लेने से की बात कही है। इधर दूसरे दिन भी पुलिस फरार नाबालिगों का सुराग नहीं लगा पाई है।

- परिजन सम्प्रेक्षण गृह के पास धरने पर बैठे रहे

खबर संक्षेप

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की युविका में छात्रा सोनम का चयन

कोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा घोषित युविका 2026 चयन सूची में कोटा की छात्रा

सोनम साहू ने जगह बनाकर पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। सोनम पीएमश्री सेजेस विद्यालय की छात्रा हैं। स्टेट लेबल डिबेट प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर के डिबेट प्रतियोगिता के लिए चयनित होने पर सोनम साहू ने कहा कि मुझे बचपन से ही अंतरिक्ष और विज्ञान के प्रति जिज्ञासा रही है। युविका कार्यक्रम में चयन होना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। विद्यालय की प्राचार्य सीमा त्रिखा दत्त ने कहा कि यह हमारे विद्यालय के लिए गर्व का क्षण है।

कलेक्टर के निर्देश पर 24 घंटे के भीतर सोनोग्राफी मशीन शुरू

भर्रीडांड़। मरवाही के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्थापित सोनोग्राफी मशीन तकनीकी कारणों से कुछ

समय से बंद थी। इसके कारण मरीजों को विशेषकर गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी जांच के लिए असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। इस संबंध में जानकारी प्राप्त होते ही कलेक्टर विजय दयाराम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामेश्वर शर्मा द्वारा त्वरित पहल करते हुए 24 घंटे के भीतर सोनोग्राफी मशीन को पुनः चालू करा दिया गया। मशीन के संचालन प्रारंभ होने के साथ ही मंगलवार को 8 हितग्राहियों की सफलतापूर्वक सोनोग्राफी जांच की गई। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि आवश्यकता होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरवाही में उपलब्ध सोनोग्राफी सुविधा का लाभ उठाएं।

खुड़िया में कथित फर्जी वनाधिकार पट्टों की बिक्री के मामले में सौंपा ज्ञापन

लोरमी। ग्राम पंचायत खुड़िया में कथित फर्जी एवं नकली वनाधिकार पट्टों की बिक्री एवं आदिवासी परिवारों के आर्थिक शोषण के मामले को लेकर पूर्व नपा अध्यक्ष मनीष त्रिपाठी के नेतृत्व में ग्रामवासियों एवं जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर, जिला म पुलिस अधीक्षक एवं वनमंडलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि क्षेत्र में एक संगठित गिरोह द्वारा गरीब एवं भोले-भाले आदिवासी परिवारों से कथित रूप से 30 से 50 हजार रुपए प्रति पट्टा लेकर उन्हें वनाधिकार पट्टा उपलब्ध कराया जा रहा है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि वर्तमान में जिन पट्टों को कथित रूप से दलालों द्वारा बेचा जा रहा है, उन पर वर्ष 2014 के दौरान तत्कालीन कलेक्टर, आदिवासी विभाग के आयुक्त तथा तत्कालीन वनमंडलाधिकारी के हस्ताक्षर दर्शाए गए हैं। वहीं पट्टों के प्रारूप पर मुद्रण संबंधी विवरण में वर्ष 2008 का उल्लेख पाया गया है। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि इन तथ्यों में गंभीर विसंगतियां प्रतीत होती हैं, जिनकी विधिवत फोरेंसिक एवं दस्तावेजीय जांच आवश्यक है।

कलेक्टर से मिले जिला पंचायत के नवपदस्थ सीईओ रावटे

मुंगेली। जिला पंचायत मुंगेली के नवपदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल राम रावटे ने आज

जिला कलेक्टोरेट पहुंचकर कलेक्टर कुन्दन कुमार से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान कलेक्टर ने नवपदस्थ जिला पंचायत सीईओ श्री रावटे का स्वागत किया और उन्हें नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। मुलाकात के दौरान जिले में संचालित ग्रामीण विकास योजनाओं, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विकास कार्यों को गति देने के संबंध में चर्चा हुई। कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों की सतत मॉनिटरिंग और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। नवपदस्थ जिला पंचायत सीईओ श्री रावटे ने जिले के ग्रामीण विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूरी प्रतिबद्धता एवं समन्वय के साथ कार्य करने की बात कही।

अवैध रुप से रेत का परिवहन 4 ट्रेक्टर जप्त

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश तथा उप संचालक, खनिज प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले में

अवैध उत्खनन परिवहन व भण्डारण पर प्रतिबंध लगाने के लिए सख्त रुख अपनाते हुए विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत गठित खनिज उड़नदस्ता दल ने सघन जांच करते हुए करतला में मिट्टी का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर 1 ट्रेक्टर तथा विजयनगर व मुंगाडीह में रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर 3 ट्रेक्टर को जब्त कर करतला थाना व दीपका थाना की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा है।

इंजीनियर पर भड़के, नाली निर्माण तत्काल शुरू करने दिए निर्देश

सड़क निर्माण में देरी पर कलेक्टर ने ठेकेदार को लगाई फटकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुंगेली

पंडरिया राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) के निर्माणाधीन कार्यों का कलेक्टर कुन्दन कुमार ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़क पर अत्यधिक धूल, अव्यवस्थित यातायात तथा रोड किनारे नाली निर्माण में हो रही देरी पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर ने मौके पर मौजूद संबंधित इंजीनियर को कड़ी फटकार लगाते हुए निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा सड़क किनारे नाली निर्माण तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए सुरक्षित एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करना भी निर्माण एजेंसी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। निर्माण कार्य के दौरान लोगों को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी के ठेकेदार को भी फटकार लगाई और सड़क पर उड़ रही धूल को नियंत्रित करने के लिए नियमित पानी का छिड़काव, आवश्यक सुरक्षा संकेतक लगाने तथा यातायात को व्यवस्थित बनाएं रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता के साथ-साथ आमजन की सुविधा और सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित इंजीनियरों एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज, नगर पालिका सीएमओ होरी सिंह ठाकुर, एनएच के ईई रविन्द्र के. खांभरा तथा एनएच के सब इंजीनियर मौजूद रहे।

जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

जिला कलेक्टोरेट में आयोजित जनदर्शन आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जनदर्शन में पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनी और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में नियमानुसार निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान विकासखंड पथरिया के ग्राम सेंदरी की शीतला स्व सहायता समूह की महिलाओं ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत पिछले तीन वर्षों से लंबित भुगतान दिलाने की मांग रखी।

जवाबदेही के साथ कार्य करें विभागीय अफसर

जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर कुन्दन कुमार ने विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप बेहतर प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समय पर आमजन तक पहुंचे और प्रत्येक विभाग जवाबदेही के साथ कार्य करें। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की विभागवार गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि गांव-गरीब और आमजन अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर आवेदन करते हैं, इसलिए प्रत्येक शिकायत का संवेदनशीलता, प्राथमिकता और सकारात्मक दृष्टिकोण से निराकरण किया जाए।

अमानक खाद का अभी तक निराकरण नहीं, समिति को चुकाना पड़ रहा ब्याज

हरिभूमि न्यूज ⏭ मरवाही

सोसाइटी में एक वर्ष से भंडारित अमानक एसएसपी खाद का निराकरण नहीं हो पाया है। इस सम्बन्ध में पूर्व में अधिकारियों ने जानकारी नहीं होने की बात कही थी पर अब उन्हें जानकारी होने के बाद भी इसका निराकरण नहीं हुआ।

जिला पंचायत सदस्य बूंदकुंवर मारको ने मरवाही का औचक निरीक्षण कर खाद की स्थिति का सोसाइटी में जायजा लिया तो वो भी अचंभित हो गई। उन्होंने कहा कि यही अमानक खाद किसी बीज भंडारण वाले के यहां होता तो उसको समस्या हो जाती। उन्होंने कहा कि इस तरह की गंभीर प्रकरण पर कलेक्टर से बात करेंगी और जंहा से यह खाद आई है उस कंपनी को ब्लैकलिस्टेड एवं जुर्माना लगाने की पहल करेंगी। ज्ञात हो कि यह लाखों रूपए की खाद बीईसी फर्टीलाइजर की है जिसको मरवाही सोसाइटी से भुगतान कर तो दिया गया हैं पर अमानक निकल जाने पर इसे वापिस नही मंगा रही हैं। ना तो इसमे विभाग रुचि ले रहा है एक किसान ने अपना नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि इस पर मीडिया ने संज्ञान लिया नहीं तो यही खाद फिर से टेस्ट में जाता और मानक का सर्टिफिकेट लाकर किसान को बांट दिया जाता।

करना था पत्राचार

अमानक खाद के निराकरण करवाने के लिए समिति प्रबंधक को नियमित पत्राचार कंपनी से करना था जिसकी प्रतिलिपि हमको देनी थी, पर ऐसा नहीं हुआ है।

-**विनय साहू,** नोडल अधिकारी, जीपीएम

पथर्रा स्कूल में शाला में प्रवेशोत्सव और न्योता भोज

तखतपुर। प्राथमिक शाला पथर्रा में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव में न्योता भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा बिलासपुर जिलाध्यक्ष दिनेश राजपूत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत अध्यक्ष माधवी वस्त्रकार ने की। दिनेश राजपूत ने कहा कि शाला प्रवेश उत्सव केवल बच्चों के विद्यालय में प्रवेश का कार्यक्रम नहीं, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखने का अभियान है। जनपद अध्यक्ष माधवी वस्त्रकार ने कहा कि न्योता भोज केवल भोजन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, आत्मीयता और सामुदायिक सहभागिता का सशक्त माध्यम है। जब समाज, शिक्षक, अभिभावक और जनप्रतिनिधि एक साथ बैठकर बच्चों के भविष्य की चिंता करते हैं, तब शिक्षा का वातावरण और अधिक सुदृढ़ होता है। शालेय शिक्षक संघ के संभाग अध्यक्ष आशुतोष सिंह ठाकुर ने कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि संस्कार और राष्ट्र निर्माण का भी दायित्व निभाते हैं। इस अवसर पर दिनेश साहू ,आशुतोष सिंह ठाकुर, सुनील श्रीवास्तव, चंद्रशेखर कौशिक, रामधुन उपाध्याय, विष्णु कुमार छेड़ा, मनीष सरेशरिया, मनहरण गोस्वामी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, नारायण गोस्वामी अध्यक्ष, ग्राम शिक्षा समिति, हेमलता, सोमिन सहित अन्य उपस्थित रहे।

पेंड्रा बाईपास का मामला विधानसभा में गूंजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ पेंड्रा

वर्षों से लंबित पेंड्रा बाईपास निर्माण का मामला अब विधानसभा तक पहुंच गया है। तखतपुर विधायक धरमजीत सिंह ने विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से पेंड्रा बाईपास निर्माण का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।

- तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह ने रखा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव

विधानसभा में अपनी बात रखते हुए विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि वर्ष 2018 में स्वीकृत पेंड्रा बाईपास का निर्माण आज तक शुरू नहीं हो सका है, जबकि नगरवासियों को भारी यातायात, लगातार सड़क दुर्घटनाओं और जाम जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस मांग को लेकर जिला प्रेस क्लब गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के नेतृत्व में पत्रकारों को क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठना पड़ रहा है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से इस मामले में तत्काल संज्ञान लेने का आग्रह करते हुए कहा कि पेंड्रा बाईपास के लिए आवश्यक बजट स्वीकृत कर शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाए, ताकि क्षेत्र की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान हो सके।

आंदोलन पांचवें दिन भी जारी

13 किलोमीटर लंबे पेंड्रा बाईपास के शीघ्र निर्माण की मांग को लेकर जिला प्रेस क्लब के नेतृत्व में चल रहा क्रमिक भूख हड़ताल एवं जनआंदोलन सोमवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के पांचवें दिन जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष गजमती भानु के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता धरना स्थल पर पहुंचे और आंदोलन में शामिल होकर अपना समर्थन दिया। इस दौरान ओमप्रकाश बंका, रमेश साहू, पंकज तिवारी, मो. शहाबुद्दीन, दया वाकरे, नारायण शर्मा, बेचू अहिरेश, राकेश मसीह, वीरेंद्र बघेल, अमोल पाठक, सविता राठौर, ममता पैंकरा, जानकी खुसरो, सुनीता तिमोथी, गिरजा पोट्टाम, रेखा तिवारी, रियांश सोनी, शिवांश दुबे एवं संतोष ठाकुर आदि मौजूद थे।

आयोजन

संस्कृत भारती की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

मुंगेली। संस्कृत भारती की साप्ताहिक बैठक का आयोजन शंकर मंदिर मल्हापारा में संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्येय मंत्र, रुद्राष्टकम, संस्कृत गीत, श्लोक एवं स्तोत्र पाठ के साथ हुआ। बैठक में प्रांत कुटुंब प्रमुख दामोदर सोनी, संस्कृत भारती के संयोजक डॉ. रामबाबू मिश्र, हथनीकला स्त्रोत केंद्र प्रमुख पीताम्बर सिंह ठाकुर, विनोद सिंह ठाकुर, रामनिवास, सुकली-लोरमी बाल केंद्र प्रमुख बलबीर सोनकर, काली मंदिर वार्ड प्रमुख बुद्धेश्वर उपाध्याय तथा बाल केंद्र वार्ड प्रमुख विजय बाघमार पैकरा की उपस्थिति रही। बैठक में संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार, संगठन की आगामी गतिविधियों, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने, बाल एवं वार्ड केंद्रों के सुदृढ़ीकरण तथा नियमित संस्कृत संभाषण वर्गों के संचालन पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी कार्यकर्ताओं ने संस्कृत के संवर्धन एवं समाज में उसके व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। अंत में सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया तथा शांति मंत्र के साथ बैठक का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

शिवसैनिकों ने किया पीएचई कार्यालय का घेराव

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुंगेली

छत्तीसगढ़ शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे जिला इकाई मुंगेली द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल की समस्या को लेकर पीएचई कार्यालय का घेराव किया गया।

दाऊ राम चौहान के नेतृत्व में जिले के क्षेत्र के लोगों की पीने की पानी की समस्या को लेकर पीएचई विभाग का घेराव किया एवं जमकर नारे बाजी की गई। विभाग की निरंकुश रवैया पर भुक्तभोगी महिलाओं एवं शिवसेना का गुस्सा जमकर फूटा। धनगॉव की महिलाओं ने अधिकारी से मांग करते हुए कहा कि हमें नजदीकी ग्राम भठलीकला में पीने की पाने के लिए रोज जाना पड़ता है जो गांव से चार किलोमीटर दूर है। ऐसे में हमें बच्चों को स्कूल समय पर भेज नहीं पाते और न ही अपने दैनिक कार्य समय पर कर पाते है। दूर से पानी लाने में समय बर्बादी के साथ ही शारीरिक तकलीफ भी होती है। महिलाओं की कष्ट को सुनते ही अधिकारी के द्वारा संतोषजनक जवाब न आने पर शिवसेना जिला महासचिव भानु निषाद ने सवाल करते हुए कहा कि आप जब तक पानी नहीं आता तब तक अपने परिवार के साथ उस गॉव में रहकर दिखाएंगे। डोमनपुर में पानी टंकी निर्माण पर जोर देते हुए श्री निषाद ने कहा कि सरकार नल जल योजना का पोस्टर बाजी कर अपने ढिंढोरा पीटने में लगी है और अधिकारी अपना काम ठीक से नहीं कर रहे है। बरदुली में पानी टंकी बना है किन्तु सप्लाई नहीं हो रहा।

उसी प्रकार दशरंगपुर एवं किशनपुर में टंकी बना है किन्तु पानी नहीं आ रहा है। जिस पर अधिकारी के द्वारा 15 दिन के भीतर सभी समस्याओं के निराकरण करने की अस्वासन पर घेराव तोड़ा गया। कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव दाऊ राम चौहान, जिलाध्यक्ष संतोष साहू, भानु निषाद जिला महासचिव ओपी यादव, जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष, इन्द्र कुमार साहू, महेंद्र साहू, धर्मेंद्र यादव, ओमप्रकाश यादव, मिथलेश साहू, राजेश्वर साहू, रामायण साहू, प्रकाश महराज, जयकुमार यादव, अक्षय यादव, गोकुल, जीतेन्द्र, रामकुमार, सोनू, कमलेश साहू, सूरज यादव, अमित के साथ सैकड़ो शिव सैनिक उपस्थित रहे।

निरीक्षण

मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रशासन चुस्त

मुंगेली। जिले में मानसून के दौरान डायरिया एवं अन्य मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। इसी क्रम में मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज सहित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम पंचायत फुलवारी, खैरवार, रामगढ़, तोताकापा तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जरहागांव का निरीक्षण कर स्वास्थ्य एवं पेयजल व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान ग्राम तोताकापा में ग्रामीणों से सीधे संवाद कर डायरिया, जलजनित एवं अन्य मौसमी बीमारियों से बचाव के संबंध में जागरूक किया। उन्होंने लोगों से उबला एवं स्वच्छ पानी पीने, पेयजल स्त्रोतों की नियमित सफाई रखने, नालियों की साफ-सफाई बनाए रखने तथा व्यक्तिगत स्वच्छता अपनाने जागरूक किया। इस दौरान जनपद पंचायत मुंगेली के सीईओ संतोष घोषले, चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष बंजारा मौजूद रहे।

सरकारी जमीन पर कब्जा कर बनाया जा रहा था पीएम आवास

जांच के बाद अतिक्रमण हटाने के निर्देश जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोरमी

मुंगेली ब्लाक के ग्राम सेमरकोना के लिए स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास का निर्माण लोरमी विकासखंड के ग्राम बेलसरी में लोकनिर्माण विभाग की सरकारी जमीन पर कराए की शिकायत पर जिला स्तरीय टीम ने अतिक्रमण को तत्काल हटाने का निर्देश दिया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम बेलसरी निवासी मनमोहन साहू ने शिकायत की थी कि मुंगेली ब्लाक के ग्राम सेमरकोना के नाम पर स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास का निर्माण लोरमी विकासखंड के ग्राम बेलसरी स्थित लोक निर्माण विभाग की अधिग्रहित शासकीय भूमि पर किया जा रहा है। शिकायत शिकायत के बाद राजस्व विभाग और संबंधित अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर भूमि की नाप-जोख की। जांच में निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवास शासकीय भूमि पर पाया गया। इसके बाद प्रशासन ने अवैध निर्माण पर रोक लगाते हुए संबंधित आवास हितग्राही को सात दिनों के भीतर निर्माण हटाकर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने का आदेश जारी किया है।

दिए गए हैं निर्देश

पुराना प्रकरण है। कलेक्टर के निर्देश पर मामले में जांच कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

-**विकास गढेंवाल,** जांच अधिकारी, सहायक अधीक्षक, भू-अभिलेख

मुंगेली ब्लाक के लिए स्वीकृत, बन रहा था लोरमी ब्लाक में

मामले में यह तथ्य भी सामने आया कि संबंधित प्रधानमंत्री आवास ग्राम सेमरकोना में स्वीकृत था, जबकि निर्माण दूसरे विकासखंड के ग्राम बेलसरी में कराया जा रहा था। आरोप है कि नियमों के विपरीत जियो टैगिंग कर योजना की राशि भी आहरित कर ली गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित आवास मित्र को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है तथा आवास की अगली किस्त की जीरो टैगिंग पर भी रोक लगा दी गई है। ग्रामीणों ने बताया कि अनावेदक ने जाँच के बाद स्वयं ही एक्सीवेटर से दीवालों को ढहा दिया,जो अब चर्चा का विषय बना हुआ है।

सेजेस कोटा में छात्रों पर हुए दुर्व्यवहार के संबंध में प्राचार्य से शिकायत

कोटा। करगी रोड कोटा,पी एम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय कोटा में शिक्षक द्वारा कक्षा 7 के विद्यार्थियों के साथ गलत व्यवहार करने का मामला सामने आया है। लिखित पत्र के माध्यम से प्राचार्य से शिकायत हुई है। पत्र के माध्यम से अभिवावक ने एक शिक्षक पर एक बच्चे के साथ अभद्र और अपमानजनक दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया है। जिसमें शिक्षक द्वारा मानसिक रूप से प्रताड़ित करने , अभद्र भाषा का प्रयोग करने और किसी अन्य छात्र द्वारा मारपीट की गई। इस घटना के बाद से मेरा बच्चा अत्यधिक मानसिक तनाव और डर के माहौल में है, जिससे उसकी पढ़ाई और स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। अभिवावक ने अनुरोध किया है कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत एक निष्पक्ष जांच कमेटी का गठन करें और दोषी के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक व कानूनी कार्रवाई करने की कृपा करें। ताकि भविष्य में किसी भी अन्य बच्चे के साथ ऐसा व्यवहार न हो। इस विषय पर विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि मामले को संज्ञान में लेते हुए शिक्षक से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र भेजकर घटना से अवगत कराया गया है।